लखनऊ

शनिवार, 16 मई, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 260

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

"जिस दिन पढ़ाई बोझ नहीं, सपना लगने लगे उस दिन सफलता आपके कदम चूमने लगेगी।"

TODAY WEATHER

DAY 42° Hi

NIGHT 26° Low

पीएम मोदी की अपील का असर, यूपी-एमपी समेत कई राज्यों ने छोटे किए काफिले, वर्क-फ्रॉम-होम-ई.वी कार और साइकिलिंग को बढ़ावा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मध्य पूर्व एशिया में बने तनाव और उससे बिगड़े हालात के बीच पीएम नरेंद्र मोदी की ओर से लोगों से पेट्रोलियम उत्पादों के संरक्षण करने की अपील का असर दिखने लगा है। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, त्रिपुरा और दिल्ली समेत कई राज्यों ने पेट्रोलियम पदार्थों के संरक्षण को लेकर कई फैसले लिए हैं।

कई मुख्यमंत्रियों ने अपनी गाड़ियों के काफिले को काफी हद तक छोटा कर दिया है तो कई राज्यों में अपने यहां वर्क फ्रॉम होम को लागू कर दिया गया है तो मुख्यमंत्री-उपमुख्यमंत्री और मंत्री लोग साइकिल, बाइक, रिक्शा या फिर पैदल ही अपने-अपने ऑफिस जाने लगे हैं। दिल्ली ने तो अपने यहां 'मेरा भारत मेरा योगदान' अभियान शुरू कर दिया है।

दिल्ली : पेट्रोल-डीजल बचाने के लिए अभियान

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पीएम की अपील के बाद पेट्रोल और डीजल बचाने से जुड़े मेरा भारत मेरा योगदान अभियान शुरू कर दिया है। इस दौरान उन्होंने कहा कि सरकारी अधिकारी और कर्मचारी हफ्ते में 2 दिन घर से काम करेंगे। साथ ही उन्होंने राजधान के हर लोगों से हफ्ते में एक दिन अपने निजी गाड़ियों का इस्तेमाल न करने की भी अपील की। दिल्ली के मंत्री परवेश वर्मा साइकिल से NDMC की बैठक में पहुंचे। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेरा भारत मेरा योगदान अभियान को लेकर पूरी दिल्ली में 90 दिनों तक जन जागरुकता अभियान चलाया जाएगा।

MP: कोई वाहन रैली नहीं निकलेगी

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भी कहा कि प्रधानमंत्री के आह्वान पर मध्य प्रदेश राष्ट्रहित में पेट्रोल-डीजल की खपत कम करने के लिए संकल्पित है। अगले आदेश तक मेरे कारकेड में सुरक्षा की दृष्टि से कम से कम गाड़ियां होंगी और भ्रमण के दौरान कोई वाहन रैली नहीं होगी।

मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश के सभी मंत्रीगण भी यात्रा के समय कम से कम गाड़ियों का उपयोग करेंगे। साथ ही, नवनियुक्त निगम-मंडल पदाधिकारी सादगी से कार्यभार ग्रहण करेंगे। ऐसे में प्रदेश से भी अनुरोध है कि वे सार्वजनिक परिवहन को अपनाएं क्योंकि राष्ट्रहित सर्वोपरि ही है।

हफ्ते में 2 दिन WFH की व्यवस्था: मुख्यमंत्री योगी

संरक्षण की अपील पर काम करते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी अपने राज्य को लेकर कई बड़े फैसले लिए हैं। प्रदेश सरकार की ओर से बताया गया कि मुख्यमंत्री योगी ने प्रदेश में 'वर्क फ्रॉम होम' (WFH) की संस्कृति को भी प्राथमिकता देने की अपील की। साथ ही उन्होंने कहा कि जिन संस्थानों में बड़ी संख्या में कर्मचारी कार्यरत हैं, उन्हें हफ्ते में 2 दिन WFH की अनुशंसा के लिए राज्य स्तर पर एडवाइजरी जारी की जाए। इसके अलावा राज्य सचिवालय या निदेशालय की 50 फीसदी इंटरनल मीटिंग भी वर्चुअली की जाएं। साथ ही मुख्यमंत्री ने खुद मुख्यमंत्री और अपने मंत्रियों आदि की फ्लीट में तत्काल प्रभाव से 50 फीसदी की कमी करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि मंत्री, सांसद, विधायक एवं जनप्रतिनिधि हफ्ते में एक दिन पब्लिक ट्रांसपोर्ट का उपयोग करें। इसके अलावा सार्वजनिक परिवहन, साइकिलिंग, कार पूलिंग और ईवी के प्रयोग को बढ़ावा दिया जाए।

बिहार : पैदल ही घर से ऑफिस गए CM

बिहार में भी पीएम मोदी की अपील का असर दिखने लगा है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी खुद पैदल ही अपने घर से ऑफिस तक पहुंचे। उपमुख्यमंत्री और JDU के वरिष्ठ नेता विजय कुमार चौधरी, और 2 अन्य मंत्रियों (लेसी सिंह और शीला मंडल) ने ऐलान किया है कि वे इस दिशा में व्यक्तिगत रूप से कदम उठाएंगे।

महाराष्ट्र : विमान से जाने से पहले अनुमति

महाराष्ट्र में भी पेट्रोलियम उत्पादों के संरक्षण का अभियान शुरू हो गया है। महाराष्ट्र सरकार ने मंत्रियों को निर्देश दिया है कि वे सरकारी यात्राओं के लिए विमान का इस्तेमाल करने से पहले मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से पहले से मंजूरी लें। बीजेपी के वरिष्ठ नेता और राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने पहले ही कहा है कि अब मंत्रियों को सरकारी काम के लिए हवाई यात्रा करने से पहले मुख्यमंत्री कार्यालय (CMO) से मंजूरी लेनी होगी, सिवाय उन मामलों के जो बहुत ज्यादा जरूरी हों।

संक्षेप

आंध्र में 15000 करोड़ का डिफेंस सिस्टम, राजनाथ सिंह ने सीएम नायडू की दूरदर्शिता को सराहा

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 15 मई को पुट्टपर्थी में एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एएमसीए) परियोजना की आधारशिला रखने के समारोह के दौरान आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू की दूरदर्शिता, तकनीकी फोकस और विकास के प्रति प्रतिबद्धता की प्रशंसा की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सिंह ने नायडू के प्रौद्योगिकी के प्रति जुनून और भविष्योन्मुखी सोच की सराहना करते हुए कहा कि अपने लंबे सार्वजनिक जीवन में मैंने कई नेताओं को देखा है और कई प्रतिनिधियों के साथ काम करने का अवसर भी मिला है। मैंने कई दूरदर्शी लोगों के साथ काम किया है, लेकिन नायडू गारू में प्रौद्योगिकी के प्रति जो जुनून, विकास के प्रति प्रतिबद्धता और भविष्य का पूर्वानुमान लगाने की दूरदर्शिता है, वह बहुत कम देखने को मिलती है। राजनाथ ने आगे कहा कि मेरी राय में, नायडू के मामले में संकीर्ण सोच रखना असंभव है। सिंह ने आंध्र प्रदेश की प्रगति के प्रति मुख्यमंत्री के समर्पण की प्रशंसा करते हुए कहा कि जिस प्रतिबद्धता के साथ उन्होंने आंध्र प्रदेश के विकास के लिए काम किया है, मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि इसकी सराहना न केवल भारत में बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी हुई है। इससे पहले, मुख्यमंत्री नायडू ने एएमसीए परियोजना को आंध्र प्रदेश की 'तेजी से काम करने की क्षमता' और एक प्रमुख रक्षा विनिर्माण केंद्र बनने की महत्वाकांक्षा का प्रतीक बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह पहल भारत की स्वदेशी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करेगी और एयरोस्पेस क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत को समर्थन देगी।

ईंधन की कीमत में बढ़ोतरी पर भड़की टीएमसी, शुभेंदु अधिकारी से पूछा - क्या हुआ तेरा वादा?

कोलकाता, एजेंसी। अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस ने शुक्रवार को हालिया ईंधन मूल्य वृद्धि को लेकर भारतीय जनता पार्टी पर हमला बोला और आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में नई सरकार के तहत चुनाव के दौरान किए गए वादे पहले ही पलटे जा रहे हैं। पार्टी ने X पर एक पोस्ट में भाजपा के पश्चिम बंगाल नेतृत्व पर निशाना साधा और चुनाव पूर्व दिए गए वादों के क्रियान्वयन पर सवाल उठाए। पोस्ट में लिखा था, क्या हुआ, तेरा वादा??! यह कितना हास्यास्पद है कि सुवेंदु अधिकारी बंगाल की जनता से किए गए अपने वादों से मुकरने लगे हैं! क्या अब कार्रवाई का समय नहीं आ गया है? तृणमूल कांग्रेस ने पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतों को भी उजागर किया, दिल्ली और कोलकाता में कीमतों की तुलना की और शासन संबंधी दावों में असंगति का आरोप लगाया। पार्टी ने कहा कि एमएस (पेट्रोल) की कीमतें (रुपये प्रति लीटर): दिल्ली 97.77 (+3.00), कोलकाता 108.74 (+3.29)। एचएसडी (डीजल) की कीमतें (रुपये प्रति लीटर): दिल्ली 90.67 (+3.00), कोलकाता 95.13 (+3.11)। इस स्थिति को शासन की विफलता बताते हुए पोस्ट में भाजपा के शासन मॉडल पर सीधा हमला करते हुए लिखा गया कि डबल इंजन, डबल जुमला। शुक्रवार को देशभर में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 3 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी के बाद यह बढ़ोतरी हुई है।

'अब सिर्फ आंखें नहीं ..आसमान के पंजे हैं ड्रोन', ऑपरेशन सिंदूर पर बोले भारतीय वायुसेना प्रमुख एपी सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने आधुनिक युद्ध में ड्रोन और अनमैन्ड एरियल सिस्टम (UAS) की बढ़ती भूमिका को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अब ड्रोन केवल आसमान की आंखें नहीं रहे, बल्कि आसमान के पंजे बन चुके हैं। यानी अब इनका इस्तेमाल सिर्फ निगरानी तक सीमित नहीं है, बल्कि ये सीधे हमला करने और दुश्मन को नुकसान पहुंचाने की क्षमता भी रखते हैं। दिल्ली के सुब्रतो पार्क में आयोजित एक रक्षा संगोष्ठी में बोलते हुए एयर चीफ मार्शल सिंह ने कहा कि आधुनिक युद्ध का स्वरूप तेजी से बदल रहा है और अब लड़ाई पारंपरिक तरीके से हटकर तकनीक आधारित हो गई है। उन्होंने कहा कि ड्रोन और काउंटर-ड्रोन सिस्टम अब भविष्य की नहीं, बल्कि वर्तमान की जरूरत बन चुके हैं। उन्होंने साफ कहा कि युद्ध का मैदान अब पूरी तरह विकेंद्रीकृत और ऑटोमेटेड सिस्टम की ओर बढ़ रहा है। एयर चीफ ने हालिया संघर्षों और ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा कि भारत ने इस दौरान ड्रोन हमलों और दुश्मन की गतिविधियों का प्रभावी तरीके से मुकाबला किया। उन्होंने बताया कि दुश्मन की ओर से कई चरणों में ड्रोन भेजे गए थे, लेकिन भारतीय सेनाओं ने मजबूत समन्वय और एयर डिफेंस सिस्टम की मदद से उन्हें लक्ष्य तक पहुंचने नहीं दिया। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायुसेना, सेना और नौसेना के बीच बेहतरीन तालमेल देखने को मिला।

नीट पेपर लीक पर धर्मेंद्र प्रधान के कहा- 'सिस्टम में कुछ गलती हुई है, स्वीकार करते हैं'

नई दिल्ली, एजेंसी। नीट-यूजी पेपर लीक को लेकर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि एनटीए ने नीट UG की नई तारीख का ऐलान किया है। 3 मई को इसकी परीक्षा हुई, 7 मई को पता चला गेस पेपर मे कुछ सिमिलर कनेक्शन है। इसके बाद 2-3 दिन में ये साफ हो गया कि गेस पेपर के माध्यम से क्वेश्चन लीक किए गए हैं। हमने तुरंत चर्चा करके जांच एजेंसियों को मामला सौंपा और राज्यों की एजेंसियों से भी संपर्क किया। हमने 12 तारीख को परीक्षा को रद्द कर दिया। हम अपना दायित्व मानते हैं और समाधान के लिए रास्ता निकाल रहे हैं।

21 जून को दोबारा परीक्षा

धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि हम आज नई तारीख के साथ आए हैं। आज से करीब एक महीने के बाद दोबारा परीक्षा कराई जाएगी। हमारी अप्रोच इस बार भी जीरो टॉलरेंस की होगी। हमारी लड़ाई परीक्षा माफियाओं के साथ है। विभिन्न सोशल मीडिया हैंडल से भ्रमात्मक तथ्यों को रखा जा रहा है, गुमराह करने की कोशिश की जा रही है। ऐसे में सरकार ने तुरंत सीबीआई को जांच सौंपी। इस बार सीबीआई मामले की तह तक जाएगी। कहां चूक हुई है, उसे एजेंसियां गंभीरता से ले रही हैं। जो भी दहशतगर्द घूम रहे हैं, अगले एग्जाम में वह इससे दूर रहें नहीं तो उन्हें दंड भुगतना पड़ेगा।

विद्यार्थियों पर नहीं पड़ेगा आर्थिक बोझ

उन्होंने आगे कहा कि हम इस घटना से बहुत दुखी हैं, लेकिन एक बड़े उद्देश्य को देखते हुए हमें यह कठोर निर्णय लेना पड़ा, ताकि छात्रों के साथ अन्याय न हो सके। मैं छात्रों से कहूंगा कि वह बिना भय के एग्जाम दें। एनटीए में जीरो-एरर हो यह हमारा दायित्व है और हम यह करके रहेंगे। एनटीए हर साल एक करोड़ बच्चों का एग्जाम कराती है। विद्यार्थियों पर कोई आर्थिक बोझ न पड़े उसका हम दायित्व लेते हैं। दोबारा एग्जाम की कोई फीस नहीं ली जाएगी। एनटीए ने तय किया है कि हम विद्यार्थियों को परीक्षा देने के लिए अपने पसंद का शहर चुनने के लिए एक सप्ताह का समय देंगे।

अभ्यर्थियों के लिए बड़े ऐलान

वहीं परीक्षा से जुड़े बड़े ऐलान करते हुए धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि परीक्षा में होने वाली फॉर्मेलिटीज की वजह से समय बेकार होता है, इसके लिए 15 मिनट का अतिरिक्त समय दिया जाएगा। दोबारा आयोजित की जाने वाली परीक्षा के लिए छात्रों को दोपहर 2 बजे से 5.15 बजे तक का समय दिया जाएगा। सभी के पास 14 जून तक एडमिट कार्ड पहुंच जाएगा। भारत सरकार की ओर से हम बात करेंगे कि इस बार नीट की परीक्षा के समय विद्यार्थियों के आवागमन के बोझ को कम किया जा सके। वहीं मौसम खराब रहने पर क्या करेंगे इसकी भी हम व्यवस्था करेंगे। छात्र किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें। राधाकृष्णन कमेटी का पूरा पालन करने के बाद भी इसमें चूक हुई है, इसमें सुधार की हम जिम्मेदारी लेते हैं। अगले साल से नीट की परीक्षा कम्प्यूटर से होगी।

पेट्रोल-डीजल की बढ़ी कीमतों पर किरेन रिजिजू ने पेश किए आंकड़े, बोले- अमेरिका-चीन से इंडिया में कम है असर

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने शुक्रवार को ईंधन की कीमतों में केंद्र सरकार के बढ़ोतरी के फैसले का बचाव करते हुए कहा कि पश्चिम एशिया संघर्ष के बाद कई देशों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 20% से लेकर लगभग 100% तक की बढ़ोतरी देखी गई, जबकि भारत में यह बढ़ोतरी मामूली रही। आर्थिक स्थिरता और जन कल्याण के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा करते हुए रिजिजू ने कहा कि सरकार ने नागरिकों को महंगाई के दबाव से बचाने के लिए जिम्मेदारी से काम किया।

रिजिजू ने X पर एक पोस्ट में कहा कि पश्चिम एशिया संघर्ष के बाद जब पूरी दुनिया ईंधन की बढ़ती कीमतों से जूझ रही थी, तब भारत ने एक अलग रुख अपनाया। जहां कई देशों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 20% से

लेकर लगभग 100% तक की बढ़ोतरी देखी गई, वहीं भारत ने बढ़ोतरी को केवल +3.2% और डीजल में +3.4% तक सीमित रखा। उन्होंने आगे कहा कि भले ही ब्रेंट क्रूड की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई और वैश्विक बाजार अस्थिर हो गए, भारत की सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों ने नागरिकों को मुद्रास्फीति और आर्थिक दबाव से बचाने के लिए हफ्तों तक भारी नुकसान उठाया। यही जिम्मेदारी से भरा शासन है। यही वह नेतृत्व है जो जनता को सर्वोपरि रखता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, भारत आर्थिक स्थिरता और जन कल्याण के बीच संतुलन बनाए हुए है। रिजिजू ने पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच विभिन्न देशों में ईंधन की कीमतों में हुई वृद्धि की तुलना करते हुए आंकड़े भी साझा किए। आंकड़ों के अनुसार, मलेशिया में पेट्रोल की कीमतों में 89.7% और डीजल की कीमतों में 112.7% की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि अमेरिका में पेट्रोल की कीमतों में 44% और डीजल की कीमतों में 48.1% की वृद्धि हुई। चीन में पेट्रोल की कीमतों में 21.7% और डीजल की कीमतों में 23.7% की वृद्धि हुई। केंद्र सरकार द्वारा शुक्रवार को देशभर में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 3 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी के बाद ये टिप्पणियां सामने आईं।

एक ही रूट का किराया 8000 और 18000 क्यों? सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से मांगा जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को एयरलाइनों द्वारा टिकटों की मनमानी और अत्यधिक कीमतों पर गंभीर चिंता व्यक्त की और केंद्र सरकार को यात्रियों पर बोझ कम करने के उपाय तलाशने का निर्देश दिया। जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की बेंच ने एक ही दिन एक ही रूट पर किराए में भारी असमानता को उजागर करते हुए सवाल उठाया कि एक एयरलाइन इकोनॉमी सीट के लिए 8000 रुपये क्यों वसूलती है, जबकि दूसरी 18,000 रुपये मांगती है। सुनवाई के दौरान, न्यायाधीशों ने इस बात पर जोर दिया कि 'कुछ तर्कसंगतता होनी चाहिए', क्योंकि सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि 2024 में पारित नया विमानन कानून अब लागू हो चुका है और इसके नियमों पर अभी भी विचार-विमर्श चल रहा है।

'कुलदीप सेंगर के उन्नाव रेप मामले में मुख्य अपील पर 2 महीने में फैसला ले हाईकोर्ट', सुप्रीम कोर्ट ने दिया निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी। कुलदीप सिंह सेंगर के उन्नाव रेप मामले से जुड़ी एक मुख्य अपील पर सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट को निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट से मुख्य अपील पर 2 महीने में फैसला लेने को कहा है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि अगर हाईकोर्ट को लगता है कि इसका निर्णय जल्द संभव नहीं है, तो वह शिकायतकर्ता के वकील सहित सभी पक्षों को सुनने के बाद सजा स्थगन की प्रार्थना पर नया आदेश पारित कर सकता है।

बता दें कि कुलदीप सिंह सेंगर की सजा को निलंबित किए जाने के खिलाफ CBI ने याचिका दायर की थी। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल, दिसंबर में हाईकोर्ट के उसकी सजा को निलंबित करने के आदेश पर रोक लगाई थी।

कुलदीप सेंगर के वकील ने कोर्ट में दी ये दलील

आज (शुक्रवार को) CBI की तरफ से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि अपील की सुनवाई 25 तारीख को हाईकोर्ट में होनी है। इस पर कुलदीप सिंह सेंगर के वकील ने कहा कि मैं अपील के फैसले में बाधा नहीं डाल रहा हूं, लेकिन अब सजा निलंबन आदेश पर रोक लगी हुई है और मैं यह साबित करने की स्थिति में हूं कि पीड़िता नाबालिग नहीं थी।

क्या एक विधायक लोक सेवक है?

फिर उन्होंने कहा कि मुझे इस आधार पर हिरासत में लिया जाएगा कि मैं एक लोक सेवक हूं। इस पहलू पर आपको विचार करना होगा। इसके जवाब में सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता बोले कि यहां यह सवाल उठता है कि क्या एक विधायक लोक सेवक है।

क्या है उन्नाव रेप मामला?

जान लें कि उन्नाव रेप मामला, साल 2017 का है। यह यूपी के उन्नाव जिले में नाबालिग लड़की से गैंगरेप और उसके बाद पीड़ित परिवार की तरफ से इंसाफ पाने के लिए किए गए संघर्ष से जुड़ा गंभीर आपराधिक केस है। इस मामले में पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर मुख्य आरोपी हैं।

केजरीवाल का सत्याग्रह जीत गया? न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने सुनवाई से खुद को किया अलग

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने गुरुवार को आबकारी नीति मामले में आम आदमी पार्टी (AAP) के नेताओं अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, दुर्गेश पाठक, संजय सिंह, विनय मिश्रा और सौरभ भारद्वाज के खिलाफ आपराधिक अवमानना की कार्यवाही शुरू की। न्यायाधीश ने यह भी कहा कि वह आबकारी नीति मामले में अरविंद केजरीवाल और अन्य को बरी किए जाने के खिलाफ सीबीआई की पुनरीक्षण याचिका पर सुनवाई नहीं करेंगी। आपराधिक अवमानना की कार्यवाही में आदेश सुनाते हुए न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने सुनियोजित तरीके से मेरी छवि खराब करने का अभियान चलाया। न्यायमूर्ति स्वर्ण

कांता शर्मा ने कहा कि डिजिटल माध्यम में चलाया गया सुनियोजित बदनामी अभियान न केवल एक न्यायाधीश के रूप में उनके खिलाफ निर्देशित था, बल्कि न्यायपालिका की पूरी संस्था और न्याय प्रक्रिया के खिलाफ था। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने टिप्पणी की, प्रतिवादी संख्या 18, अरविंद केजरीवाल के दुर्भाग्यपूर्ण बयान और आचरण, न्यायालय की अवमानना अधिनियम की धारा 2C के अंतर्गत आपराधिक अवमानना के दायरे में आते प्रतीत होते हैं।

गौतम अडानी को अमेरिकी कोर्ट से राहत मिलने की संभावना पर बोले राहुल गांधी, 'ट्रेड डील अडानी की रिहाई का समझौता है'

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका में भारतीय उद्योगपति गौतम अडानी से जुड़े कथित रिश्वतखोरी और धोखाधड़ी मामले में अब बड़ा मोड़ आता दिखाई दे रहा है। अमेरिकी न्याय विभाग गौतम अडानी के खिलाफ चल रहे आपराधिक धोखाधड़ी के आरोप वापस लेने की तैयारी में है। इस बीच अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग यानी एसईसी के साथ भी समझौते की दिशा में प्रगति हुई है। इन घटनाक्रमों ने भारत और अमेरिका दोनों देशों की राजनीति तथा कारोबारी जगत में नई बहस छेड़ दी है।

सूत्रों के अनुसार अमेरिकी न्याय विभाग ने संकेत दिए हैं कि गौतम अडानी के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामला कमजोर आधार पर टिका हुआ है। अडानी पक्ष के वकीलों ने अमेरिकी

अधिकारियों के सामने लगभग सौ पन्नों का प्रस्तुतीकरण देते हुए कहा कि मामले में पर्याप्त साक्ष्य नहीं हैं और अमेरिकी एजेंसियों का अधिकार क्षेत्र भी स्पष्ट नहीं है। बताया जा रहा है कि अडानी पक्ष ने यह भी तर्क दिया कि जब तक मामला जारी रहेगा तब तक अमेरिका में प्रस्तावित निवेश प्रभावित होगा।

हम आपको याद दिला दें कि गौतम अडानी ने वर्ष 2024 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की जीत के बाद अमेरिका में एक हजार करोड डॉलर के निवेश और पंद्रह हजार नौकरियां सृजित करने की घोषणा की थी। माना जा रहा है कि इसी निवेश योजना को भी बातचीत में प्रमुखता से रखा गया। हालांकि कुछ अमेरिकी अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि निवेश का प्रस्ताव कानूनी प्रक्रिया को प्रभावित नहीं करेगा।

दरअसल नवंबर 2024 में अमेरिकी अभियोजकों ने गौतम अडानी और उनके सहयोगियों पर आरोप लगाया था कि उन्होंने भारत में विशाल सौर ऊर्जा परियोजना के ठेके हासिल करने के लिए सरकारी अधिकारियों को लगभग छब्बीस करोड़ पैंसठ लाख डॉलर की रिश्वत देने या देने का वादा किया। अभियोजन पक्ष का कहना था कि इस कथित भ्रष्टाचार को छिपाकर अडानी समूह ने ऋण और बांड के जरिये तीन अरब डॉलर से अधिक की राशि जुटाई। वहीं अडानी समूह ने शुरू से ही इन आरोपों को निराधार बताया है। इसी मामले से जुड़े दीवानी मुकदमे में अब महत्वपूर्ण समझौता हुआ है। एसईसी ने गौतम अडानी और उनके भतीजे सागर अडानी के साथ समझौते पर सहमति जताई है। समझौते के तहत गौतम अडानी छह करोड़ डॉलर और सागर अडानी बारह करोड़ डॉलर का दंड भरेंगे। हालांकि दोनों ने किसी भी तरह की गलती स्वीकार नहीं की है। इस समझौते को अभी अदालत की मंजूरी मिलना बाकी है। एसईसी का आरोप था कि अडानी ग्रीन एनर्जी ने भ्रष्टाचार निरोधक नियमों के पालन को लेकर निवेशकों के सामने भ्रामक जानकारी पेश की। अमेरिकी निवेशकों से कम से कम सत्रह करोड़ पचास लाख डॉलर जुटाए गए थे। इस मामले में अडानी पक्ष का कहना है कि बांड का कारोबार अमेरिकी शेयर बाजार में नहीं हुआ था और अमेरिकी एजेंसियों का अधिकार क्षेत्र लागू नहीं होता।

दोस्त की बर्थडे पार्टी में आए अमरोहा के युवक की बिजनौर में हत्या, कनपटी से सटाकर गोली मारी

आर्यावर्त संवाददाता

शिवाला कला (बिजनौर)। गांव शिवाला कला में दोस्त की जन्मदिन पार्टी में आए अमरोहा के युवक की दूसरे दोस्त ने बहाने से अपने घर बुलाकर गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक के भाई की तहरीर पर पुलिस ने चार आरोपितों के विरुद्ध हत्या का मुकदमा दर्ज किया है।

अमरोहा जनपद के थाना नौगांव सादात गांव आल्हैदादपुर टांडा निवासी 23 वर्षीय लोकेश उर्फ टंडेल पुत्र जीवन सिंह की शिवाला कला निवासी विशाल पाल के साथ दोस्ती थी। गुरुवार को लोकेश विशाल पाल के घर जन्मदिन की पार्टी में शामिल होने पहुंचा था। विशाल के अन्य दोस्त भी पार्टी में पहुंचे थे।

शिवाला कला निवासी सिंटू उर्फ सचिन भी पार्टी में शामिल हुआ था, लेकिन रात लगभग 10 बजे सिंटू अन्य दोस्तों से विदा लेकर घर चला गया था। घर पहुंच कर उसने लोकेश को फोन कर अपने घर बुलाया था। लोकेश, विशाल पाल,लक्की व उज्जवल के साथ बाइक पर सवार होकर सिंटू के घर जा रहे थे। आरोप है कि घर से पहले ही रास्ते में खड़े सिंटू व उसके साथी विशाल उर्फ बिच्छू पुत्र सतीश, प्रियांशु चौहान पुत्र संजीव तथा सिद्धार्थ पुत्र रामू ने लोकेश को देखते देखते ही उसे पर हमला कर दिया। इस दौरान हमलावरों ने लोकेश की कनपटी से सटाकर गोली मार दी जिससे वह लहूलुहान होकर वहीं पर गिर गया।

घटना को अंजाम देने के बाद आरोपित वहां से फरार हो गए। लोकेश के दोस्तों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को इलाज के लिए सीएचसी नूरपुर भिजवाया। जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर मृतक के स्वजन अस्पताल पहुंच गए। पुलिस ने पंचनामा भरने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। मृतक के भाई अंकुल की तहरीर पर पुलिस ने चार आरोपितों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर ली है । अभी तक की जांच में दोनों पक्षों में संपत्ति का विवाद सामने आ रहा है।

वन विभाग में तबादला नीति पर सवाल, दशकों से जमे कर्मचारियों पर उठे भ्रष्टाचार के आरोप

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। उत्तर प्रदेश सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति और पारदर्शी प्रशासन के दावों के बीच सुल्तानपुर वन विभाग एक बार फिर सवालों के घेरे में है। विभाग में वर्षों से एक ही जनपद और एक ही रेंज में जमे कर्मचारियों को लेकर अब शासन की स्थानांतरण नीति पर भी गंभीर प्रश्न खड़े होने लगे हैं। आरोप है कि विभाग में तैनात कई कर्मचारी दो से ढाई दशक से एक ही स्थान पर कार्यरत हैं, लेकिन न शासन स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई हुई और न ही विभागीय अधिकारियों ने इस ओर गंभीरता दिखाई।

सूत्रों के मुताबिक वन विभाग में लंबे समय से जमे कर्मचारियों और अवैध लकड़ी कारोबारियों के बीच गहरे संबंध होने की चर्चा आम है। जिले में लगातार फल-फूल रही अवैध आरा मशीनों और हरियाली के हो रहे नुकसान को भी इसी व्यवस्था से जोड़कर देखा जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय-समय पर स्थानांतरण होते रहते तो शायद वन माफियाओं का इतना मजबूत नेटवर्क खड़ा नहीं हो पाता।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर सरकार की स्थानांतरण नीति का पालन वन विभाग में क्यों नहीं हो रहा। जहां प्रदेश सरकार हर विभाग में पारदर्शिता और जवाबदेही की बात करती है, वहीं सुल्तानपुर वन विभाग में कई कर्मचारी वर्षों से अंगद के पांव की तरह जमे हुए हैं। जानकारी के अनुसार डिवीजन कार्यालय में तैनात वन दारोगा सोभनाथ लगभग 28 वर्षों से जिले में कार्यरत हैं। वहीं राकेश चौहान करीब 25 वर्षों से अखंडनगर-कादीपुर क्षेत्र में तैनात बताए जा रहे हैं। कमलेश सिंह लगभग 22 वर्षों से सदर रेंज में जबकि रमेश बहादुर सिंह करीब 20 वर्षों से जयसिंहपुर रेंज में जमे हुए हैं। इसी तरह दीपक सिंह लगभग 17 वर्षों से जिले में सेवाएं दे रहे हैं। केवल वन दारोगा ही नहीं बल्कि रेंजर और डिप्टी रेंजर स्तर के अधिकारी भी लंबे समय से जिले में तैनात हैं। चंद्र प्रकाश करीब 18 वर्षों से जयसिंहपुर रेंज में कार्यरत बताए जाते हैं। वहीं अतुल सिंह लंभुआ रेंज में लगभग 18 वर्षों से और डीके यादव करीब 15 वर्षों से जिले में तैनात हैं। सूत्रों का दावा है कि डीके यादव का बीते वर्ष गैर जनपद तबादला हुआ था लेकिन बाद में उन्हें फिर सुल्तानपुर में ही पोस्टिंग मिल गई।

सूत्र यह भी बताते हैं कि विभागीय स्तर से शासन को उन कर्मचारियों की सूची तक नहीं भेजी जाती, जो वर्षों से एक ही स्थान पर तैनात हैं। चर्चा है कि वर्ष 2023-24 और 2024-25 में भी ऐसी कोई सूची शासन को प्रेषित नहीं की गई। मामले पर जब डीएफओ अमित सिंह से बात की गई तो उन्होंने कहा कि स्थानांतरण करना उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि शासन स्तर से किसी कर्मचारी का तबादला होता है तो विभाग की ओर से उसे कार्यमुक्त कर दिया जाएगा। अब सवाल यह उठ रहा है कि जिस उत्तर प्रदेश सरकार की पहचान सख्त प्रशासन और भ्रष्टाचार पर कार्रवाई को लेकर होती है, उसी सरकार की नीतियों का सुल्तानपुर वन विभाग में पालन क्यों नहीं हो रहा। क्या लंबे समय से जमे कर्मचारियों पर कार्रवाई होगी या फिर वन विभाग की यह व्यवस्था यूं ही चलती रहेगी।

गजब ! दर्द था दाएं जबड़े में, डॉक्टर ने कर दिया बाएं का ऑपरेशन... ललितपुर मेडिकल कॉलेज का ये हाल

आर्यावर्त संवाददाता

ललितपुर। उत्तर प्रदेश के ललितपुर जिले में स्थित जिला मेडिकल कॉलेज एक बार फिर विवादों के घेरे में है। स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के सरकारी दावों के बीच यहां के एक डॉक्टर के अमर्यादित व्यवहार और चिकित्सकीय लापरवाही ने मानवता को झकझोर कर रख दिया है। मामला एक डेंटिस्ट की ओर से मरीज के गलत जबड़े का ऑपरेशन करने और विरोध करने पर मारपीट से जुड़ा है।

जानकारी के अनुसार, जिले के सदर कोतवाली क्षेत्र के नेहरू नगर में रहने वाले जगदीश अहिरवार की बेटी के दाएं जबड़े में लंबे समय से दर्द था। बेटी की परेशानी दिन-ब-दिन बढ़ती ही जा रही थी। पिता बेटी के इलाज के लिए उसे लेकर जिला मेडिकल कॉलेज पहुंचे, जहां उनकी मुलाकात डेंटिस्ट डॉक्टर दीपक जैन से हुई। डॉक्टर जैन युवती के जबड़े की जांच के बाद ऑपरेशन की सलाह दी। पिता का आरोप है कि डॉक्टर दीपक जैन ने उनसे ऑपरेशन के लिए 35 हजार रुपए ले लिए।

हालांकि, इसके बावजूद डाक्टर ने घोर लापरवाही दिखाते हुए युवती के दाएं जबड़े की जगह बाएं जबड़े का ऑपरेशन कर दिया। इस दौरान जब युवती दर्द होने पर आपत्ति जताई तो डॉक्टर ने ऑपरेशन थियेटर में ही उसकी साथ मारपीट की। गलत ऑपरेशन के बाद जब युवती बाहर आई तो उसने अपनी आपबीती पिता को बताई। पिता ने इस लापरवाही और दुर्व्यवहार पर विरोध जताया तो उनके साथ भी बदतमीजी की गई।

भ्रष्टाचार की खुली पोल

इस घटना ने सरकारी अस्पताल की व्यवस्था और भ्रष्टाचार की पोल खोल कर रख दी है। पीड़ित पिता ने डॉक्टर की तानाशाही के खिलाफ डीएम और जिला मेडिकल कॉलेज के वरिष्ठ अधिकारियों को लिखित शिकायत देकर सख्त कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित परिवार काफी डरा हुआ है। सात ही बेटी के जबड़े को लेकर भी चिंता में है। फिलहाल, इस मामले पर स्वास्थ्यविभाग की कोई भी प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

महिला आरोग्य समिति की सदस्य डायरिया नियंत्रण में निभाएंगी बड़ी भूमिका

खेल-खेल में मिला शून्य से पांच साल तक के बच्चों को डायरिया से बचाव का संदेश

आर्यावर्त संवाददाता

फर्रुखाबाद। आगामी 16 जून से शुरू होने वाले डायरिया रोको अभियान को सफल बनाने के लिए अभी से विभाग ने तैयारी शुरू कर दी है l इसी क्रम में शुक्रवार को डायरिया से डर नहीं कार्यक्रम के तहत शहर के मोहल्ला कूंचा भवानी दास में नगरीय स्वास्थ्य केंद्र रकाबगंज की चिकित्साधिकारी डॉ. शोभा सक्सेना की अध्यक्षता में महिला आरोग्य समिति की बैठक हुई l बैठक में उन्होंने समिति की सदस्यों से डायरिया नियंत्रण अभियान को सफल बनाने की अपील के साथ ही बच्चों को डायरिया से सुरक्षित बनाने के जरूरी टिप्स भी दिए।

बैठक के दौरान डायरिया ग्रसित दो बच्चों को देखा गया और उनको ओआरएस और जिंक निर्धारित मात्रा में देते हुए उसके प्रयोग के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गयी। इसके साथ ही बैठक में उपस्थित लोगों को टीकाकरण, आयुष्मान भारत योजना, परिवार नियोजन के साधनों के उपयोग व अन्य स्वास्थ्य योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया गया।

डॉ. शोभा ने कहा कि बच्चों की सही देखभाल के साथ स्वास्थ्य का पूरा ख्याल रखा जाए ताकि बच्चे डायरिया समेत अन्य संक्रामक बीमारियों से सुरक्षित बने रहेंl डायरिया से बचने के लिए हमें अपनी नजदीक की आशा कार्यकर्ता से संपर्क करना चाहिए l उन्होंने कहा कि दिन भर में अगर बच्चे को दो या तीन से अधिक बार पानी जैसी पतली दस्त आए तो बच्चे को आशा कार्यकर्ता द्वारा दी जाने वाली जिंक की गोली और ओआरएस का सेवन बताई गयी मात्रा के अनुसार ही कराएं जिससे बच्चे के शरीर में पानी की कमी न होने पाए। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. सर्वेश यादव ने बताया कि आगामी 16 जून से चलने वाले डायरिया रोको अभियान को सफल बनाने के लिए और बच्चों को डायरिया जैसे जानलेवा रोग से बचाने के लिए जनसामान्य का भी सहयोग लिया जाएगा l बैठक के दौरान पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) से अनुपम मिश्र, एएनएम योगेंद्रवती, महिला आरोग्य समिति की अध्यक्ष कोमल, आशा पारुल सहित अन्य लोग भी मौजूद रहे।

मरीजों की सेवा सबसे बड़ा मानव धर्म: डॉ. सुप्रीत वर्मा

सुल्तानपुर। राष्ट्रीय सामाजिक सेवा संघ द्वारा जिले के लगभग 350 मरीजों, तीमारदारों एवं जरूरतमंदों को गरम ताज़ा निःशुल्क भोजन वितरित किया गया। संघ के तत्वाधान में स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय एवं जिला अस्पताल तथा रेलवे स्टेशन परिसर में प्रत्येक बृहस्पतिवार देर शाम निःशुल्क भोजन वितरण कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इस अवसर पर संघ अध्यक्ष मेराज अहमद खान के संयोजन में जिला चिकित्सालय स्थित ब्लड बैंक के सामने आयोजित कार्यक्रम का शुभारम्भ सर्जन डॉ. सुप्रीत वर्मा, न्यूरो सर्जन यशांक तथा डॉ.आकाश श्रीवास्तव ने जरूरतमंदों को भोजन की थाली वितरित कर किया। सर्जन डॉ. सुप्रीत वर्मा ने कहा कि मरीजों और तीमारदारों को भोजन उपलब्ध कराना अत्यंत सराहनीय एवं मानवीय कार्य है। ऐसे सेवा कार्य समाज में मानवता और सहयोग की भावना को मजबूत करते हैं। न्यूरो सर्जन यशांक ने कहा कि अस्पतालों में दूर-दराज से आने वाले जरूरतमंद लोगों की सहायता करना पुण्य का कार्य है।

वाराणसी में प्रशासनकि अधकिारियों ने पकड़ी ईंधन बचत की राथ, थामी साइकलि की हैंडल

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में बचत की अपील के बाद बड़े अधिकारियों ने भी उनकी अपील पर गौर करना शुरू किया है। इसी कड़ी में पीएम की प्रेरणा से वाराणसी के एसएसपीजी मंडलीय चिकित्सालय के प्रमुख अधीक्षक डॉ. बृजेश कुमार ने शुक्रवार को नो व्हीकल डे मनाते हुए साइकिल से चिकित्सालय आए और लोगों को प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि अस्पताल के अन्य डाक्टर भी बचत की आदत डालें और अन्य लोगों को भी प्रेरित करें ताकि चुनौतियों को आसानी से पार किया जा सके।

डॉ. बृजेश कुमार ने कहा कि बचत केवल आर्थिक दृष्टिकोण से ही नहीं, बल्कि पर्यावरण के लिए भी आवश्यक है। उन्होंने साइकिल चलाने के फायदे बताते हुए कहा कि यह न केवल स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है, बल्कि इससे प्रदूषण में भी कमी आती है। उन्होंने सभी से अपील की कि वे साइकिल का उपयोग करें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

इस अवसर पर डॉ. बृजेश ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने जो बचत की अपील की है, वह सभी के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि यदि हम सभी मिलकर छोटी-छोटी बचत करने की आदत डालें, तो यह न केवल हमारे व्यक्तिगत जीवन में बल्कि समाज में भी सकारात्मक बदलाव ला सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि चिकित्सालय में काम करने वाले सभी डाक्टरों को चाहिए कि वे अपने मरीजों को भी इस दिशा में जागरूक करें। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि यदि हम सभी अपने दैनिक जीवन में कुछ छोटे-छोटे बदलाव करें, जैसे कि साइकिल चलाना, तो इससे न केवल हमारी सेहत में सुधार होगा, बल्कि पर्यावरण को भी लाभ होगा।

डॉ. बृजेश ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन समय-समय पर होना चाहिए ताकि लोग जागरूक हो सकें और बचत की आदत डाल सकें। उन्होंने कहा कि हमें अपने जीवन में बचत को एक आदत के रूप में अपनाना चाहिए। चिकित्सालय के अन्य स्टाफ ने भी साइकिल चलाकर इस पहल का समर्थन किया। चिकित्सालय के कर्मचारियों ने इस दिन को मनाने के लिए साइकिल चलाने का निर्णय लिया और सभी ने मिलकर साइकिल चलाकर एकजुटता का प्रदर्शन किया।

डीएफओ कार्यालय की मेहरबानी

सुल्तानपुर। वन विभाग के तैनाती नियमों की खुली अवहेलना सामने आई है। आरोप है कि डीएफओ कार्यालय की शह पर बल्दीराय क्षेत्र की रहने वाली वन रक्षक रेखा सिंह को अपने ही ब्लॉक में तैनात कर दिया गया। जिससे विभाग के नियमों की धज्जियां खुले उड़ रही है रेखा सिंह को अपने ही गांव के बीट का प्रभार किसने दिया विभाग के कार्यालय पर मिलीभगत के आरोप भी लगे हैं। वन विभाग की स्पष्ट नीति है कि जो कर्मचारी जिस ब्लॉक का निवासी है,उसकी तैनाती उसी ब्लॉक में नहीं की जा सकती। इसके बावजूद वन रक्षक रेखा सिंह को अपने ही गांव के बीट का प्रभार सौंपा गया है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि यह आदेश डीएफओ कार्यालय स्तर से जारी हुआ या उच्च अधिकारियों को गुमराह कर यह तैनाती कराई गई? स्थानीय लोगों का आरोप है कि बिना विभागीय मिलीभगत के यह संभव नहीं है।डीएफओ कार्यालय की शह पर वन विभाग के नियम और अपने ही ब्लॉक में वन रक्षक रेखा सिंह डेरा जमा क्षेत्र अवैध हरे वृक्ष की कटान करवाती है इनके ऊपर क्षेत्र में आरा मशीनो व ठेकेदारो से अवैध वसूली के भी आरोप है।

मंडप में चल रही थीं शादी की रस्में, तभी तेज आंधी ने उड़ा दिया पूरा टेंट

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले के पीपलसाना क्षेत्र में एक शादी समारोह के दौरान तेज आंधी-तूफान ने अचानक खलल डाल दिया। रात में आई भीषण आंधी के चलते समारोह स्थल पर लगाया गया भारी-भरकम टेंट और पंडाल देखते ही देखते ताश के पत्तों की तरह हवा में उड़ गया। इस दौरान मौके पर अफरा-तफरी मच गई और मेहमान जान बचाने के लिए सुरक्षित स्थानों की ओर भागने लगे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, शादी की रस्में चल रही थीं तभी अचानक मौसम ने करवट ली और तेज हवाओं के साथ आंधी शुरू हो गई। कुछ ही सेकंड में विशाल पंडाल उखड़कर हवा में उड़ने लगा। इससे समारोह में मौजूद लोगों में दहशत फैल गई। कई लोग कुर्सियां और सामान छोड़कर खुले मैदान से बाहर निकल गए।

घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि तेज हवा के कारण पूरा पंडाल हवा में उठ जाता है और लोग इधर-उधर भागते नजर आते हैं। गनीमत यह रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। हालांकि, समारोह का काफी सामान क्षतिग्रस्त हो गया और शादी की व्यवस्थाएं प्रभावित हुईं। स्थानीय लोगों का कहना है कि आंधी की रफ्तार इतनी तेज थी कि कुछ ही क्षणों में पूरा नजारा बदल गया। मौसम विभाग ने पहले ही कई जिलों में तेज आंधी और बारिश की चेतावनी जारी की थी। प्रशासन ने लोगों से खराब मौसम के दौरान खुले स्थानों और अस्थायी ढांचों से दूर रहने की अपील की है।

1। 27 करोड़ खर्च होने थे, फिर भी बदहाल ग्रेटर नोएडा का 'बूढ़ा बाबू' तालाब... बना कूड़ा डंपिंग ग्राउंड

आर्यावर्त संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के दादरी कस्बे के आमका रोड स्थित ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व वाले बूढ़ा बाबू तालाब की हालत लगातार खराब होती जा रही है। कभी क्षेत्र की आस्था का केंद्र रहे इस तालाब को अमृत सरोवर योजना के तहत पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने की घोषणा की गई थी, लेकिन करोड़ों रुपए की योजना आज तक धरातल पर नहीं उतर सकी। नतीजतन, तालाब अब गंदगी, कूड़े और उपेक्षा का प्रतीक बन गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, बूढ़ा बाबू तालाब से क्षेत्रवासियों की गहरी धार्मिक आस्था जुड़ी हुई है। मान्यता है कि इस तालाब के जल में स्नान करने से चर्म रोगों में राहत मिलती है। इसी महत्व को देखते हुए दिसंबर 2022 में दादरी विधायक तेजपाल सिंह नागर ने तालाब के सौंदर्यकरण और पर्यटन केंद्र के रूप में विकास की योजना शुरू की थी। इसके लिए नगर पालिका को लगभग 1। 27 करोड़ रुपए का बजट स्वीकृत किया गया था।

तालाब में नहीं एक बूंद पानी

योजना के तहत तालाब के किनारे घाट, हरित पट्टी, स्ट्रीट लाइट और बीच में आकर्षक फाउंटेन स्थापित किया जाना था। शुरुआत में तालाब के चारों ओर चारदीवारी का निर्माण भी कराया गया, लेकिन इसके बाद पूरा प्रोजेक्ट ठप पड़ गया। नगर पालिका ने दोबारा इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया। समय के साथ तालाब की स्थिति इतनी खराब हो गई कि यहां पानी तक नजर नहीं आता। लोग इसे कूड़ा डालने और खुले में शौच के लिए इस्तेमाल करने लगे हैं। तालाब के आसपास गंदगी और बदबू का अंबार लगा हुआ है।

फंड की कमी से रुका तालाब का काम

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि तालाब की बदहाली का असर धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों पर भी पड़ा है। पहले यहां हर वर्ष मेला लगता था, लेकिन खराब स्थिति के चलते यह परंपरा भी बंद हो गई है। नगरवासियों ने प्रशासन और नगर पालिका से तालाब को उसके पुराने स्वरूप में पुनर्जीवित करने की मांग की है। वहीं नगर पालिका अधिकारियों का कहना है कि बजट की कमी के कारण काम रुका हुआ है। शासन स्तर पर अतिरिक्त बजट की मांग की गई है और उम्मीद है कि अगले महीने धनराशि मिलने के बाद विकास कार्य दोबारा शुरू किए जाएंगे।

सपा के प्रदेश सचिव की मदद से सुल्तानपुर पहुंचा विदेश में फंसा युवक

सुलतानपुर। रोजी-रोटी के सिलसिले में विदेश गया युवक लगभग 10 महीने से विदेश में फंसा रहा, लेकिन आजाद सेवा समिति राज्यसभा सांसद संजय सिंह के सराहनीय कार्य से युवक आज सुल्तानपुर पहुंच गया,आजाद सेवा समिति के उपाध्यक्ष एवं समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव पिछड़ा वर्ग विजय यादव ने बताया की 2 मई को बस अड्डे पर परिजनों से मुलकात हूई, और विदेश गए युवक के पिता शिवकुमार निषाद जमखुरी थाना लम्भुआ ने रोकर पूरी आप बीती बताएं, उसके बाद विजय यादव राज्यसभा सांसद संजय सिंह से पूरी बात को सांसद के सामने रखा, उसके बाद विदेश में अपने लोगों से बात कर के आज बिदेश गए युवक संतोष निषाद को सुल्तानपुर सकुशल सुल्तानपुर बुला लिया, सुल्तानपुर पहुंचने ही परिजनों की खुशी दोगुनी हो गई.।

ब्रांड की आड़ में मीठा ज़हर

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। जय चामुंडा मां स्पेशल बताशा की कॉपी कर बाजार में खपाया जा रहा था घटिया माल, स्टॉक सील। शहर में नकली खाद्य कारोबार का बड़ा मामला सामने आने के बाद प्रशासन हरकत में आ गया। नामी ब्रांड जय चामुंडा मां स्पेशल बताशा की पैकिंग और नाम से मिलता-जुलता नकली ब्रांड बनाकर बाजार में घटिया क्वालिटी का बताशा बेचने की शिकायत पर शुक्रवार को प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की। शिकायतकर्ता रावल सिंह की सूचना पर सीओ सिटी सौरभ सामंत, नगर कोतवाल संदीप राय, खाद्य सुरक्षा विभाग और प्रशासन की संयुक्त टीम ने संदिग्ध फैक्ट्री पर छापेमारी की।

छापे के दौरान भारी मात्रा में संदिग्ध बताशा, नकली पैकिंग सामग्री और ब्रांड से मिलती-जुलती छपी हुई बोरियां बरामद हुईं। टीम ने मौके पर मौजूद स्टॉक को सील कर सैंपल जांच के लिए प्रयोगशाला भेज दिया। सूत्रों के मुताबिक आरोपी लंबे समय से मशहूर ब्रांड की साख का फायदा उठाकर सस्ते और घटिया माल को बाजार में उतार रहे थे। कार्रवाई की भनक लगते ही मिलावटखोरों और नकली कारोबारियों में हड़कंप मच गया। अधिकारियों ने साफ कहा है कि यदि जांच रिपोर्ट में मिलावट और ब्रांड कॉपी करने की पुष्टि होती है तो आरोपियों पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के साथ कॉपीराइट उल्लंघन और धोखाधड़ी की धाराओं में सख्त कार्रवाई की जाएगी।

प्रशासन ने आम लोगों से अपील की है कि कोई भी पैक्ड खाद्य सामग्री खरीदते समय उसकी पैकिंग, बैच नंबर, निर्माण तिथि और एफएसएसएआई लाइसेंस नंबर जरूर जांच लें, ताकि नकली और मिलावटी उत्पादों से बचा जा सके।

पत्नी की हत्या कर गुमशुदगी दर्ज कराने पहुंचा पति गिरफ्तार, पूछताछ में खुला सनसनीखेज राज, इंदिरा डैम किनारे मिला शव

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के चिनहट क्षेत्र में रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली एक सनसनीखेज घटना सामने आई है, जहां अपनी पत्नी की गुमशुदगी दर्ज कराने थाने पहुंचा पति ही उसका हत्यारा निकला। पुलिस की गहन पूछताछ में आरोपी ने पत्नी की गला घोंटकर हत्या करने की बात स्वीकार कर ली। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने इंदिरा डैम के किनारे से महिला का शव बरामद कर लिया है। मामले में पति समेत उसके परिवार के छह लोगों के विरुद्ध हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है।पुलिस के अनुसार, 14 मई 2026 को अल्ताफ उर्फ कल्लू पुत्र सईद निवासी सफीनगर, रुदौली, जनपद अयोध्या द्वारा थाना चिनहट में अपनी पत्नी याशमीन (24 वर्ष) की गुमशुदगी दर्ज कराई गई थी। गुमशुदगी दर्ज होने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल जांच शुरू की। जांच की जिम्मेदारी उपनिरीक्षक तेज शुक्ला को सौंपी गई।जांच के दौरान जब पुलिस ने पति अल्ताफ से विस्तार से पूछताछ की तो उसके बयान संदिग्ध लगे। पुलिस द्वारा कड़ाई से पूछताछ किए जाने पर आरोपी टूट गया और उसने अपनी पत्नी की हत्या करने की बात स्वीकार कर ली। आरोपी ने बताया कि घरेलू विवाद के चलते उसने याशमीन का गला घोंटकर हत्या कर दी और शव को इंदिरा डैम के किनारे, जुग्गौर क्षेत्र में फेंक दिया।पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर तत्काल कार्रवाई करते हुए थाना बीबीडी क्षेत्र में इंदिरा डैम के किनारे से मृतका का शव बरामद कर लिया। शव मिलने के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक साक्ष्य जुटाए और शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू की।मामले में मृतका के पिता मोहम्मद सईद पुत्र अली अहमद निवासी पुराना डाकघर, कसगर मोहल्ला, चिनहट की तहरीर पर थाना चिनहट में मुकदमा अपराध संख्या 259/26 धारा 103(1) और 191(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत दर्ज किया गया है। तहरीर में आरोप लगाया गया है कि याशमीन की हत्या उसके पति और ससुराल पक्ष के अन्य लोगों ने मिलकर की है।पुलिस ने मामले में आरोपी पति अल्ताफ उर्फ कल्लू के अलावा उसकी मां, बहन सना, भाई रहमान, भाभी रूबीना तथा अरशद को नामजद किया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अन्य आरोपियों की घटना में संलिप्तता की जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।घटना की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने मौके से ही आरोपी अल्ताफ उर्फ कल्लू को गिरफ्तार कर लिया और उससे पूछताछ जारी है।पुलिस अभिलेखों के अनुसार, आरोपी अल्ताफ के विरुद्ध पहले से भी कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

नीट प्रश्नपत्र लीक के विरोध में युवा कांग्रेस और छात्र संगठन का प्रदर्शन

लखनऊ। नीट परीक्षा के कथित प्रश्नपत्र लीक प्रकरण को लेकर शुक्रवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय, लखनऊ में उत्तर प्रदेश युवा कांग्रेस एवं भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का पुतला दहन किया गया तथा केंद्र सरकार और राष्ट्रीय परीक्षा संस्था पर गंभीर आरोप लगाए गए।उत्तर प्रदेश युवा कांग्रेस मध्य क्षेत्र के कार्यवाहक अध्यक्ष अंकित तिवारी तथा भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन मध्य क्षेत्र के अध्यक्ष अनस रहमान के नेतृत्व में आयोजित प्रदर्शन में बड़ी संख्या में युवा कांग्रेस एवं छात्र संगठन के पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने प्रश्नपत्र लीक मामले को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता और जवाबदेही की मांग उठाई।

संक्षेप

बाबा साहब अम्बेडकर रोजगार प्रोत्साहन योजना 2.0 की तैयारी तेज, ग्रामीण युवाओं को मिलेगा स्थानीय स्तर पर रोजगार: केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर सृजित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करने जा रही है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशों के क्रम में ग्राम्य विकास विभाग द्वारा बाबा साहब अम्बेडकर रोजगार प्रोत्साहन योजना के मार्गदर्शी सिद्धांतों में संशोधन करते हुए "बाबा साहब अम्बेडकर रोजगार प्रोत्साहन योजना 2.0" लागू किए जाने का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। सरकार का मानना है कि संशोधित योजना ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति देने के साथ स्थानीय स्तर पर स्थायी रोजगार उपलब्ध कराने में अहम भूमिका निभाएगी।उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बताया कि वर्तमान योजना को अधिक प्रभावी और समयानुकूल बनाने के उद्देश्य से इसके दिशा-निर्देशों का पुनरीक्षण किया जा रहा है। प्रस्तावित "बाबा साहब अम्बेडकर रोजगार प्रोत्साहन योजना 2.0" के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में उपलब्ध संसाधनों और स्थानीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए बहुआयामी एवं बहुउद्देशीय योजनाओं को बढ़ावा दिया जाएगा।उन्होंने कहा कि नई योजना लागू होने के बाद गांवों में रोजगार के अवसरों का विस्तार होगा तथा स्थानीय स्तर पर सतत आजीविका को प्रोत्साहन मिलेगा। इससे ग्रामीण युवाओं को रोजगार के लिए शहरों की ओर पलायन करने की आवश्यकता कम होगी और गांवों में ही आर्थिक गतिविधियों को मजबूती मिलेगी।उप मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि संशोधित योजना का वित्तीय आकार बढ़ाने की तैयारी की जा रही है, जिससे अधिक से अधिक लाभार्थियों को योजना से जोड़ा जा सके। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना और स्थानीय स्तर पर उद्यमिता को प्रोत्साहित करना है।सरकार को उम्मीद है कि प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद ग्रामीण अंचलों में उपलब्ध संसाधनों के बेहतर उपयोग के साथ रोजगारपरक परियोजनाओं को गति मिलेगी, जिससे गांवों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी और युवाओं के लिए नए अवसर सृजित होंगे।

कपूरथला उपकेंद्र क्षेत्र में 16 मई को आंशिक रूप से बाधित रहेगी विद्युत आपूर्ति, अनुरक्षण कार्य के चलते असर

लखनऊ। कपूरथला उपकेंद्र क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कई इलाकों में 16 मई को विद्युत आपूर्ति आंशिक रूप से बाधित रहेगी। विद्युत विभाग की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार 33/11 उपकेंद्र कपूरथला के अंतर्गत विभिन्न वितरण परिवर्तकों में डीटी मीटर लगाने तथा अनुरक्षण कार्य प्रस्तावित है, जिसके कारण कुछ क्षेत्रों में निर्धारित समय तक बिजली आपूर्ति प्रभावित होगी।विभाग के अनुसार, 11 केवी एलडीए, एचआईजी, महानगर, इंडियन आयल एवं कपूरथला पोषक लाइनों पर कार्य कराया जाएगा। इस कारण 16 मई 2026 को प्रातः 11 बजे से सायं 5 बजे तक विद्युत आपूर्ति आंशिक रूप से बाधित रहने की संभावना है।विद्युत विभाग ने बताया कि इस दौरान एलडीए मार्केट, सेक्टर-बी अलीगंज, एचआईजी कॉलोनी, एकता पार्क, शताब्दी पार्क, बिंदिया टोला, मिर्जा बाग, चंद्रलोक, शेखापुर, रविन्द्र गार्डन, सेक्टर-एफ महानगर तथा आसपास के क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति आंशिक रूप से प्रभावित होगी। विभाग के अनुसार लगभग 535 उपभोक्ताओं पर इसका प्रभाव पड़ सकता है।विभाग ने उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि आवश्यक अनुरक्षण कार्य के चलते यह अस्थायी असुविधा होगी, जिससे भविष्य में बेहतर और सुचारु विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। विभाग ने असुविधा के लिए खेद व्यक्त करते हुए नागरिकों से बिजली की बचत करने की भी अपील की है।

बैंक में नकली नोट जमा करने पहुँचा युवक गिरफ्तार, चिनहट पुलिस ने 2.35 लाख रुपये नकद भी बरामद किए

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। चिनहट थाना पुलिस ने बैंक में नकली नोट जमा करने के मामले में नामजद एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी बैंक ऑफ बड़ौदा की चिनहट शाखा में 33 हजार रुपये जमा करने पहुंचा था, जहां जांच के दौरान 500 रुपये के 14 नकली नोट मिलने पर बैंक प्रबंधन ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है और बरामद नकदी के संबंध में जांच की जा रही है।पुलिस के अनुसार, थाना चिनहट में पंजीकृत मुकदमा अपराध संख्या 258/26 धारा 179 भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत नामजद आरोपी सौरभ कुमार शुक्ला पुत्र हरिपाल शुक्ला निवासी ग्राम शुक्लनपुरवा, थाना परसपुर, जनपद गोण्डा को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी की उम्र करीब 20 वर्ष बताई जा रही है।पुलिस ने बताया कि 14 मई 2026 को बैंक ऑफ बड़ौदा चिनहट शाखा के शाखा प्रबंधक सुमित सिंह द्वारा थाना चिनहट में तहरीर दी गई थी। तहरीर में बताया गया कि देवा रोड स्थित सिराज कॉम्प्लेक्स में संचालित बैंक शाखा में सौरभ कुमार शुक्ला 33 हजार रुपये जमा करने आया था। जांच के दौरान जमा की जा रही राशि में 500-500 रुपये के 14 नकली नोट पाए गए, जिनकी कुल कीमत 7 हजार रुपये थी। इसके बाद बैंक प्रबंधन की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया गया।पूछताछ के दौरान आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसे नकली नोटों के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। हालांकि, पुलिस द्वारा की गई तलाशी में आरोपी के पास से कुल 2 लाख 35 हजार रुपये नकद भी बरामद किए गए।

तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से स्कूटी सवार युवक की मौत, चालक वाहन छोड़ फरार; पुलिस ने ट्रक कब्जे में लिया

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के आलमबाग क्षेत्र में देर रात हुए दर्दनाक सड़क हादसे में स्कूटी सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा तालकटोरा रोड पर कॉटन मिल और बालाजी मंदिर के बीच हुआ, जहां तेज रफ्तार ट्रक ने स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना के बाद ट्रक चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया, हालांकि पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए ट्रक को कब्जे में ले लिया है और चालक की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, 14 मई 2026 की रात करीब एक बजे थाना आलमबाग पुलिस को तालकटोरा रोड पर सड़क दुर्घटना की सूचना प्राप्त हुई। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन लेकर फरार हो गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

लखनऊ पुलिस और 'प्रयास' की पहल : स्कूली बच्चों को साइबर सुरक्षा का पाठ

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। डिजिटल युग में बढ़ते साइबर अपराधों और ऑनलाइन ठगी के मामलों को देखते हुए लखनऊ पुलिस साइबर क्राइम सेल ने स्कूली बच्चों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करने की पहल तेज कर दी है। इसी क्रम में शुक्रवार को लखनऊ पुलिस साइबर क्राइम सेल एवं गैर सरकारी संस्था 'प्रयास' के संयुक्त तत्वावधान में मॉडर्न एकेडमी स्कूल में विशेष साइबर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कक्षा 07 एवं 08 के छात्र-छात्राओं को इंटरनेट, सोशल मीडिया, ऑनलाइन गेमिंग और मोबाइल सुरक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं।कमिश्नरेट लखनऊ के निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को बढ़ते साइबर अपराधों, ऑनलाइन धोखाधड़ी और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर होने वाले खतरों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और साइबर सुरक्षा से जुड़े विभिन्न विषयों पर जानकारी प्राप्त की।मॉडर्न एकेडमी स्कूल परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान बच्चों को सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग के बारे में विस्तार से बताया गया। उन्हें समझाया गया कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर व्यक्तिगत फोटो, मोबाइल नंबर, घर का पता, बैंक संबंधी जानकारी और अन्य निजी सूचनाएं साझा करना जोखिमपूर्ण हो सकता है। बच्चों को सलाह दी गई कि वे अपनी सोशल मीडिया प्रोफाइल को प्राइवेट अथवा लॉक रखें और केवल परिचित लोगों को ही अपनी मित्र सूची में शामिल करें।कार्यक्रम के दौरान साइबर अपराधियों द्वारा अपनाए जा रहे नए तरीकों की भी जानकारी दी गई। साइबर क्राइम सेल के मुख्य आरक्षी गौरव शुक्ला ने बच्चों को बताया कि अनजान नंबरों से आने

नीट परीक्षार्थी रितिक मिश्रा की मौत पर आम आदमी पार्टी ने जताया शोक, परीक्षा व्यवस्था पर उठाए सवाल

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। खीमपुर खीरी के नौरंगाबाद स्थित गंगोत्री नगर में नीट परीक्षार्थी रितिक मिश्रा का शव फंदे से लटका मिलने की घटना को लेकर आम आदमी पार्टी ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए परीक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। शुक्रवार को पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह के निर्देश पर अयोध्या प्रांत अध्यक्ष विनय पटेल के नेतृत्व में पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की तथा न्याय दिलाने का भरोसा दिया।इस दौरान राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने दूरभाष के माध्यम से रितिक मिश्रा के चाचा अनूप मिश्रा से बातचीत कर परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने रितिक की पढ़ाई और परीक्षा की तैयारी के संबंध में जानकारी ली। परिजनों ने बताया कि रितिक इससे पहले दो बार नीट परीक्षा दे चुका था और इस बार उसकी परीक्षा अच्छी हुई थी। उसे चयन की पूरी उम्मीद थी, लेकिन लगातार सामने आ रही प्रश्नपत्र लीक और परीक्षा निरस्त होने की खबरों से वह मानसिक रूप से अत्यधिक परेशान रहने लगा था।संजय सिंह ने घटना को अत्यंत दुखद बताते हुए कहा कि यह केवल एक छात्र की मृत्यु नहीं, बल्कि परीक्षा व्यवस्था की विफलता का परिणाम है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रश्नपत्र लीक और परीक्षा प्रणाली में अनियमितताओं ने छात्रों के विश्वास को गहरी ठेस पहुंचाई है।पीड़ित परिवार ने प्रतिनिधिमंडल को बताया कि रितिक पिछले कई दिनों से मानसिक दबाव में था। परिवार का कहना था कि परीक्षा प्रणाली को लेकर बनी अनिश्चितता और लगातार उठ रहे सवालों ने उसे भीतर तक प्रभावित किया। परिजनों ने कहा कि उन्होंने अपना इकलौता पुत्र खो दिया है और परिवार गहरे सदमे में है।अयोध्या प्रांत अध्यक्ष विनय पटेल ने कहा कि पिछले कई वर्षों से विभिन्न परीक्षाओं में प्रश्नपत्र लीक की घटनाएं सामने आती रही हैं, लेकिन इसके बावजूद प्रभावी सुधार नहीं हो सके। उन्होंने आरोप लगाया कि मेहनत करने वाले विद्यार्थियों का भविष्य असुरक्षित होता जा रहा है और युवाओं में निराशा बढ़ रही है।उन्होंने कहा कि प्रश्नपत्र लीक और परीक्षा निरस्त होने की घटनाएं केवल शैक्षिक समस्या नहीं रह गई हैं, बल्कि सामाजिक चिंता का विषय बन चुकी हैं। उनका कहना था कि लाखों विद्यार्थी कठिन परिश्रम के बाद भी परीक्षा प्रक्रिया की निष्पक्षता को लेकर आशंकित हैं। आम आदमी पार्टी ने मांग की कि प्रश्नपत्र लीक और परीक्षा प्रणाली में भ्रष्टाचार के दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए तथा परीक्षा प्रणाली को पारदर्शी और सुरक्षित बनाने के लिए प्रभावी व्यवस्था लागू की जाए।

बढ़ती ट्रांसफार्मर क्षति और दंडात्मक कार्रवाई के विरोध में जूनियर इंजीनियर्स संगठन ने सौंपा ज्ञापन

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राज्य विद्युत परिषद जूनियर इंजीनियर्स संगठन, उत्तर प्रदेश की लेसा शाखा ने विद्युत वितरण व्यवस्था से जुड़ी विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर शुक्रवार को जिलाधिकारी लखनऊ के माध्यम से मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक को ज्ञापन भेजा। संगठन ने वितरण परिवर्तकों की बढ़ती क्षतिग्रस्ता, अवर अभियंताओं एवं प्रोन्नत अभियंताओं के विरुद्ध हो रही दंडात्मक कार्यवाहियों तथा विद्युत व्यवस्था के सुचारु संचालन में आ रही कठिनाइयों को प्रमुख मुद्दा बताया। संगठन का कहना है कि वर्तमान में पर्याप्त संसाधनों, सुरक्षा उपकरणों और आवश्यक मानव बल की कमी के बावजूद विद्युत व्यवस्था का संचालन कराया जा रहा है। इससे वितरण परिवर्तकों के खराब होने की घटनाओं में वृद्धि हो रही है, साथ ही दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ रहा है। ज्ञापन में मांग की गई कि ट्रांसफार्मरों की सुरक्षा के लिए प्रभावी व्यवस्था लागू की जाए तथा तकनीकी मानकों के अनुरूप सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जाएं।जूनियर इंजीनियर्स संगठन ने यह भी आरोप लगाया कि विद्युत कर्मचारियों और अवर अभियंताओं के विरुद्ध बिना समुचित जांच के दंडात्मक कार्रवाई की जा रही है, जिससे कर्मचारियों में असंतोष का माहौल है। संगठन ने ऐसी कार्यवाहियों पर तत्काल रोक लगाने की मांग करते हुए कहा कि किसी भी कार्रवाई से पहले निष्पक्ष जांच सुनिश्चित की जानी चाहिए। संगठन का कहना है कि इससे उपभोक्ताओं को निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी।

शादी का झांसा देकर युवती से संबंध बनाने, रुपये और लैपटॉप हड़पने का आरोपी गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ।)राजधानी लखनऊ के गुडम्बा क्षेत्र में शादी का झांसा देकर युवती से शारीरिक संबंध बनाने, उसकी निजी तस्वीरें प्रसारित करने की धमकी देने तथा रुपये और लैपटॉप हड़पने के मामले में पुलिस ने लंबे समय से वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के विरुद्ध युवती ने वर्ष 2025 में मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर उसे कुर्सी रोड स्थित बेहटा क्षेत्र से गिरफ्तार किया है।पुलिस के अनुसार, पीड़िता द्वारा 27 सितम्बर 2025 को थाना गुडम्बा में मुकदमा अपराध संख्या 403/2025 धारा 69, 316(2) और 351(3) भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत मुकदमा दर्ज कराया गया था। युवती का आरोप था कि आरोपी गौरव वर्मा ने उससे शादी का वादा कर विश्वास में लिया और बाद में शारीरिक संबंध बनाए। आरोप है कि इस दौरान आरोपी ने युवती की तस्वीरें भी अपने पास रख लीं और उन्हें प्रसारित करने की धमकी देकर मानसिक दबाव बनाता रहा।पीड़िता ने तहरीर में आरोप लगाया था कि आरोपी ने उससे 10 हजार रुपये और एक लैपटॉप भी ले लिया। जब युवती ने शादी करने का दबाव बनाया और अपना लैपटॉप वापस मांगा, तब आरोपी ने कथित रूप से जान से मारने की धमकी दी।मामले की विवेचना उपनिरीक्षक देवेन्द्र सिंह द्वारा की जा रही थी। जांच के दौरान पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी हुई थी। इसी क्रम में 15 मई 2026 को पतारसी और मुखबिर की सूचना के आधार पर वांछित आरोपी गौरव वर्मा को कुर्सी रोड स्थित बेहटा क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया गया।गिरफ्तार आरोपी की पहचान गौरव वर्मा पुत्र कृष्ण कुमार के रूप में हुई है। वह वर्तमान में ग्राम पैकरामऊ, थाना गुडम्बा में रह रहा था, जबकि उसका मूल निवास ग्राम कालूपुर, थाना विसंवा, जनपद सीतापुर बताया गया है।. आरोपी की उम्र लगभग 25 वर्ष है।पुलिस के अनुसार, आरोपी ने युवती को शादी का झांसा देकर उसके साथ संबंध बनाए और बाद में निजी तस्वीरें प्रसारित करने की धमकी देकर उसे प्रताड़ित किया। साथ ही उससे नकदी और लैपटॉप लेने का भी आरोप है। पुलिस अब मामले में आगे की विधिक कार्रवाई कर रही है।

बीबीएयू में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक, कुलपति ने कहा- प्रशासन और शिक्षा का सशक्त माध्यम बने हिन्दी

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में शुक्रवार को हिन्दी प्रकोष्ठ की ओर से राजभाषा कार्यान्वयन समिति की त्रैमासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने की। इस दौरान कुलसचिव डॉ. अश्विनी कुमार सिंह तथा राजभाषा प्रकोष्ठ के सहायक निदेशक डॉ. बलजीत कुमार श्रीवास्तव भी मंच पर उपस्थित रहे। बैठक में विश्वविद्यालय में हिन्दी के अधिकाधिक प्रयोग और उसे प्रशासनिक एवं शैक्षणिक कार्यों का प्रभावी माध्यम बनाने पर विस्तृत चर्चा की गई।बैठक की शुरुआत में डॉ. बलजीत कुमार श्रीवास्तव ने उपस्थित सदस्यों को बैठक के उद्देश्य और रूपरेखा से अवगत कराया। इसके बाद कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने अपने संबोधन में कहा कि हिन्दी को बढ़ावा देना केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि यह सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय स्तर पर ऐसे ठोस प्रयास किए जाने चाहिए, जिनसे हिन्दी का प्रयोग व्यवहारिक और प्रभावी रूप में बढ़ सके।कुलपति ने सुझाव दिया कि विश्वविद्यालय के कार्यालयों में टिप्पण लेखन, प्रारूप तैयार करने तथा पत्राचार जैसे प्रशासनिक कार्यों में हिन्दी भाषा का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के विभिन्न कार्यक्रमों, बैठकों और आयोजनों की पुस्तिकाएं हिन्दी में भी उपलब्ध कराई जानी चाहिए, ताकि भाषा के प्रयोग को व्यापक बनाया जा सके।उन्होंने विद्यार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्रश्नपत्रों को द्विभाषीय स्वरूप में तैयार करने का सुझाव भी दिया। साथ ही विश्वविद्यालय परिसर में शिक्षकों एवं कर्मचारियों के आवासों तथा अतिथि गृहों के नाम हिन्दी में रखे जाने और सभी को हिन्दी में हस्ताक्षर करने के लिए प्रेरित किए जाने पर भी बल दिया।प्रो. मित्तल ने विश्वविद्यालय में "हिन्दी अनुवाद एवं व्याख्या प्रकोष्ठ" तथा "हिन्दी प्रकाशन प्रकोष्ठ" स्थापित करने का सुझाव देते हुए कहा कि इससे हिन्दी में शैक्षणिक सामग्री, अनुवाद और प्रकाशन को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि हिन्दी दक्षता विकसित करने के लिए समय-समय पर 15 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशालाएं आयोजित की जा सकती हैं।इसके अतिरिक्त कुलपति ने प्रत्येक विभाग से "भाषा प्रतिनिधि" चुने जाने का सुझाव दिया, जो अपने विभागों में हिन्दी के प्रयोग को प्रोत्साहित करें। उन्होंने विभागों में "हिन्दी दीवार" बनाए जाने का भी प्रस्ताव रखा, जहां प्रतिदिन हिन्दी शब्दावली और उपयोगी जानकारी प्रदर्शित की जा सके।उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे लेकिन प्रभावी प्रयासों के माध्यम से हिन्दी को व्यवहार, प्रशासन, शिक्षा और विश्वविद्यालय संस्कृति का सशक्त माध्यम बनाया जा सकता है।

बैठक में विभिन्न संकायों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष तथा शिक्षकगण उपस्थित रहे और राजभाषा के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर अपने सुझाव भी साझा किए।

राष्ट्रीय डेंगू दिवस की पूर्व संध्या पर डॉक्टरों की अपील : डेंगू से बचाव के लिए अभी से हों सतर्क, बच्चों और बुजुर्गों पर अधिक खतरा

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। हर वर्ष 16 मई को मनाए जाने वाले राष्ट्रीय डेंगू दिवस की पूर्व संध्या पर स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने लोगों से डेंगू से बचाव के लिए अभी से सतर्कता बरतने और मजबूत कदम उठाने की अपील की है। डॉक्टरों का कहना है कि मानसून से पहले मई और जून के महीनों में मच्छरों के प्रजनन को नियंत्रित करना डेंगू जैसी जानलेवा बीमारी की रोकथाम के लिए सबसे प्रभावी रणनीति है। बढ़ते तापमान और बदलते जलवायु पैटर्न को देखते हुए इस वर्ष डेंगू का खतरा पहले की तुलना में अधिक गंभीर हो सकता है।महानगर स्थित नियो-चाइल्ड क्लीनिक के सीनियर कंसल्टेंट पीडियाट्रिशियन तथा इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स (आईएपी) के वर्ष 2023 के स्टेट प्रेसिडेंट डॉ. संजय निरंजन ने कहा कि डेंगू को लेकर लोगों में अब भी कई भ्रांतियां हैं। उन्होंने बताया कि आमतौर पर यह गलतफहमी रहती है कि एक बार डेंगू होने के बाद व्यक्ति को दोबारा संक्रमण नहीं हो सकता, जबकि वास्तव में डेंगू चार अलग-अलग वायरस (सीरोटाइप) से फैलता है। किसी एक प्रकार के वायरस से संक्रमित होने पर केवल उसी के खिलाफ प्रतिरोधक क्षमता विकसित होती है, बाकी तीन प्रकार के वायरस का खतरा बना रहता है। ऐसे में कोई व्यक्ति अपने जीवन में चार बार तक डेंगू से संक्रमित हो सकता है।डॉ. संजय निरंजन ने कहा कि दूसरी बार डेंगू होने पर बीमारी अधिक गंभीर हो सकती है और अस्पताल में भर्ती होने की आशंका बढ़ जाती है। उन्होंने बताया कि 15 वर्ष से कम आयु के बच्चों में डेंगू का जोखिम अधिक होता है, क्योंकि उनका प्रतिरक्षा तंत्र पूरी तरह विकसित नहीं होता। वहीं मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मोटापा और हृदय रोग जैसी बीमारियों से पीड़ित वयस्कों में भी गंभीर स्थिति का खतरा अधिक रहता है।विशेषज्ञों के अनुसार, भारत में डेंगू अब केवल मानसून तक सीमित बीमारी नहीं रह गई है। दक्षिण और पश्चिम भारत के कई क्षेत्रों में यह पूरे वर्ष फैलने वाली बीमारी बन चुकी है, जबकि पहले कम प्रभावित माने जाने वाले पर्वतीय और पूर्वोत्तर क्षेत्रों में भी अब इसके मामले सामने आने लगे हैं। तेजी से शहरीकरण, बढ़ता तापमान, अनियोजित निर्माण कार्य और घरों में पानी संग्रह करने की प्रवृत्ति मच्छरों के पनपने के लिए अनुकूल वातावरण तैयार कर रही है।भारतीय मौसम विभाग द्वारा वर्ष 2026 में सामान्य से अधिक तापमान और अधिक हीटवेव वाले दिनों की संभावना जताई गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि अल नीनो जैसे जलवायु परिवर्तनकारी प्रभावों के कारण अत्यधिक गर्मी और मौसम में बदलाव डेंगू फैलाने वाले मच्छरों के लिए अधिक अनुकूल परिस्थितियां तैयार कर सकते हैं, जिससे बीमारी का जोखिम बढ़ सकता है।डॉक्टरों ने कहा कि डेंगू के लक्षण मच्छर के काटने के चार से दस दिन बाद सामने आते हैं। इनमें तेज बुखार, गंभीर सिरदर्द, आंखों के पीछे दर्द, शरीर और जोड़ों में दर्द, उल्टी, जी मिचलाना और त्वचा पर चकत्ते शामिल हैं। हालांकि कई मामलों में लक्षण सामान्य दिखाई देते हैं, लेकिन बुखार कम होने के बाद पेट में तेज दर्द, लगातार उल्टी, नाक या मसूड़ों से खून आना, अत्यधिक कमजोरी और मल या उल्टी में खून जैसे लक्षण गंभीर खतरे का संकेत हो सकते हैं।

डोनाल्ड ट्रंप और शी जिनफिंग की मुलाकात के कूटनीतिक मायने शेष दुनिया के लिए अहम

सफल कारोबारी से राजनेता बने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने हर रिश्ते को फायदे और नुकसान के नजरिये से देखते है, लेकिन कूटनीतिक इंजीनियर समझे जाने वाले चीन के अपने दौरे को लेकर उन्होंने केवल इतना भर कहा कि यह सिर्फ व्यापार नहीं, वैश्विक रणनीतिक संतुलन के लिए भी महत्वपूर्ण है। चूंकि अमेरिका और चीन एक दूसरे के सहयोगी और प्रतिस्पर्धी दोनों समझे जाते हैं, इसलिए लगभग एक दशक के अन्तराल पर हुई उनकी यह यात्रा के कूटनीतिक मायने अहम समझे जाते हैं, क्योंकि उनकी इस मुलाकात की सफलता और विफलता का असर पूरी दुनिया पर निःसंदेह पड़ेगा।

गौरतलब है कि पिछले साल यानी अक्टूबर 2025 में जब आखिरी बार ट्रंप की चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग से मुलाकात हुई थी, तब उनके बीच मुख्य मुद्दा टैरिफ था, लेकिन अब बदलते वैश्विक हालात में जाहिर तौर पर ईरान भी होगा। क्योंकि पश्चिम एशिया संकट ने दोनों देशों के लिए मुश्किलें बढ़ाई है। इसलिए स्वाभाविक बात है कि आपसी तनाव के बावजूद वे सहयोग का रास्ता तलाशने की कोशिश करेंगे। चूंकि लगभग एक दशक बाद यानी 2017 के बाद कोई अमेरिकी राष्ट्रपति 2026 में चीन पहुंचा है। हालांकि, टैरिफ वॉर की वजह से माना जाता है कि ट्रंप का रुख पेइचिंग को लेकर कठोर है।

समझा जाता है कि अपने पहले कार्यकाल में ही उन्होंने यानी ट्रंफ ने चीन से होने वाले आयात पर टैरिफ की घोषणा की थी। जबकि दूसरे टर्म में वह इस लड़ाई को और आगे ले गए और 125% तक भारी भरकम टैरिफ तक जड़ दिया। हालांकि दुनियावी रेयर अर्थ मिनरल्स पर चीनी नियंत्रण की वजह से आखिरकार ट्रंप को झुककर समझौता करना पड़ा था, अन्यथा उनका कारोबारी हित प्रभावित होता। ऐसे में टैरिफ वॉर भले थम गई हो, पर अमेरिका और चीन के बीच की पारस्परिक होड़ कायम है और वह नित्य नए स्वरूप में उभरकर सामने आ ही जाती है। चूंकि दोनों देश एक-दूसरे पर दबाव बनाने की कोशिश करते रहते हैं, पर इतना नहीं जिससे बात ज्यादा बिगड़े।

हाल के अमेरिका/इजरायल और ईरान युद्ध के दौरान भी कुछ यही देखने को मिला है। भले ही ईरान की आर्थिक व सामरिक मदद के आरोप में अमेरिका ने कुछ चीनी कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई की, और चीन ने भी पलटवार करते हुए वॉशिंगटन की नीतियों का विरोध किया, लेकिन सब कुछ नियंत्रण में रहकर हुआ। इसकी ठोस वजह उनकी आपसी निर्भरता और पारस्परिक जरूरत भी है, जिसे समझने की जरूरत है। आपको यह मालूम होना चाहिए कि चीन के लिए अमेरिका आज भी सबसे बड़ा बाजार है। हालांकि इस साल चीनी निर्यात में करीब 10% की कमी आई है। चीन की निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था के लिए यह झटका है।

दिलचस्प बात तो यह है कि खाड़ी देशों में भी चीन का निर्यात घटा है। मसलन, तेहरान (ईरान) का सबसे बड़ा तेल खरीदार होने के नाते भी उसकी परेशानी बढ़ रही है। लिहाजा चीन चाहता है कि युद्ध जल्दी थमे। भारत की भी यही सोच है। वहीं दूसरी ओर, ट्रंप को ईरान पर समर्थन और निवेश के लिए चीन चाहिए। इसीलिए वह अपने साथ कई बड़े उद्यमियों को लेकर बीजिंग पहुंचे हैं। चूंकि अमेरिका इस दौरे से बड़ी डील की उम्मीद कर रहा है, खासकर बोइंग विमानों की। इसलिए आलोचकों को डर है कि कहीं ताइवान पर ट्रंप नरम न पड़ जाएं। अमेरिकी हित में वह ऐसा कर सकते है।

अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि चूंकि इस समय दोनों रसूखदार नेता घरेलू मोर्चे पर विविध असहज स्थितियों में फंसे हुए हैं। लिहाजा उनकी कोशिश यही होगी कि इस मुलाकात से कुछ बड़ा हासिल किया जाए। यदि दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं पारस्परिक सहयोग के रास्ते पर बढ़ती है और ईरान में शांति कायम होती है, तो यूक्रेन सहित सभी का फायदा होगा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चीन दौरे पर दुनियाभर की निगाहें लगी हुई हैं। ऐसे में स्वाभाविक बात है कि भारत भी अपने दोनों प्रतिस्पर्धियों पर नजर रखेगा। उल्लेखनीय है कि विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने भी इससे जुड़े एक सवाल पर कहा भी है कि भारत के कई देशों के साथ रिश्ते है। कई देशों के साथ साझेदारी आगे बढ़ रही है। चूंकि विभिन्न देशों के बीच इस तरह का दौरा होता रहता है और जब भी इस तरह के दौरे होते हैं तो भारत देखता है कि उसमें क्या बदलाव आया है- या फिर क्या गतिविधियां हुई। ऐसा इसलिए किया जाता है कि राष्ट्रहित के अनुरूप नीतियां संशोधित होती रहें।

बंगाल में "शुभ राज" के साथ सनातन का सूर्योदय

मृत्युंजय दीक्षित

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से आज तक बंगाल में कांग्रेस, वामपंथ और तृणमूल की सरकारें रहीं जो तुष्टिकरण में आकंठ डूबी रहीं और हिंदुओ को दोयम दर्जे का नागरिक बना दिया।

पश्चिम बंगाल में 69 वर्षों के अथक संघर्ष के बाद भारतीय जनता पार्टी की पूर्ण बहुमत वाली सरकार प्रथम सरकार शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में कार्यभार ग्रहण करके काम पर लग गयी है। बंगाल में बीजेपी की विजय बहुत बड़ी व ऐतिहासिक है। बंगाल ही नहीं भारत के अन्य भागों में भी इस विजय का आनंद दिखाई वातावरण दे रहा है। इस विजय के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कर्नाटक, तेलंगना और गुजरात के दौरे में जो भीड़ उमड़ रही है उससे स्पष्ट रूप से जनसामान्य और भाजपा कायकर्ताओं के उत्साह का अनुमान लगाया जा सकता है। बंगाल विधानसभा चुनावों मे हिंदू समाज ने पहली बार बांग्लादेशी घुसपैठ और मुस्लिम तुष्टिकरण की विकृत राजनीति के विरुद्ध एकजुट होकर मतदान किया और जिसका परिणाम आज पूरा भारत देख रहा है।

बंगाल की जिस धरती पर 75 वर्ष पूर्व डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जनसंघ की वैचारिक नींव रखी थी उसी बंगाल में पहली बार भाजपा 27 सीटों के साथ सत्ता के शिखर पर पंहुची और भगवा वस्त्रों में शुभेंदु अधिकारी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। बंगाल की कैबिनेट में अभी पांच मंत्रियों को ही शपथ दिलाई गई है, जिसमें बंगाल में भाजपा का संगठन खड़ा करने में अहम भूमिका निभाने वाले दिलीप घोष, फैशन डिजाइनर से बंगाल भाजपा की सबसे मुखर नेत्री बनी अग्निमित्रा पॉल जिन्होंने तृणमूल के खिलाफ आक्रामक मोर्चा संभाला, बांग्लादेश के हिंदू शरणार्थी मतुआ समुदाय के प्रमुख चेहरे अशोक कीर्तनिया जो उत्तर 24 परगना जिले के भारत-बांग्लादेश सीमा से सटे इलाको में भाजपा के जमीनी संगठनकर्ता के रूप मे अत्यंत सक्रिय रहे हैं, छात्र राजनीति से उभरे नेता निशीथ प्रामाणिक जो 2019 में भाजपा से जुड़े और जंगल महल के आदिवासी समुदाय के बड़े नेता खुदीराम टुडू शामिल हैं। अभी इस मंत्रिमंडल है का विस्तार होना बाकी है। बंगाल में शपथ ग्रहण समारोह के मंच पर एक भारत श्रेष्ठ भारत की संकल्पना के अनुरूप लघु भारत के भव्य दर्शन हो रहे थे तथा भविष्य की राजनीति के संकेत भी मिल रहे थे।

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से आज तक बंगाल में कांग्रेस, वामपंथ और तृणमूल की सरकारें रहीं जो तुष्टिकरण में आकंठ डूबी रहीं और हिंदुओ को दोयम दर्जे का नागरिक बना दिया। स्थितियां इतनी विकट हो गयी थीं कि बंगाल की धरती पर जय श्रीराम बोलने पर नफरत का कहर टूट पड़ता था। आज उसी बंगाल में जब जयश्रीराम के नारे गूंज रहे हैं तो बंगाल का हर सनातनी खुशी से सराबोर हो रहा है। बंगाल में भाजपा सरकार आने से पश्चिम बंगाल के हिन्दुओं को तुष्टिकरण की दमनकारी नीतियों और भय के माहौल से आजादी मिली है। यह विजय केवल सत्ता का परिवर्तन नही अपितु बंगाल के पुनरुत्थान का शंखनाद है। अब बंगाल सही मायने में सोनार बांग्ला बनने की ओर अग्रसर होगा। भाजपा नेताओं का कहना है कि मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल सांस्कृतिक, आध्यात्मिक व आर्थिक उत्थान के नए दौर मे प्रवेश करेगा।

हार की कुंठा से ग्रसित तृणमूल व विरोधी दलों के नेता अभी भी एसआईआर, चुनाव आयोग और केंद्रीय सुरक्षाबलों वाले आरोप दोहरा रहे हैं जबकि वास्तविकता यह है कि भाजपा ने यह चुनाव लम्बे संघर्ष और अपने कार्यकर्ताओं के बलिदान के बाद जीता है। तृणमूल के राज में वर्ष 2011 से 2025 के बीच भाजपा के 321 कार्यकर्ता मारे गए, उनके विरुद्ध हुई हिंसा में हजारों घर उजाड़ दी गए, भाजपा व संघ के किसी कार्यकर्ता को बम से उड़ाया गया किसी को पेड़ से लटकाया गया। 2021 में तो भाजपा कार्यकर्ताओं के प्रति तृणमूल के लोगों ने क्रूरता की सभी सीमाएं लांघ दी थीं। नंदीग्राम से लेकर वीरभूम तक, कूच बिहार हो या वशीर हाट चुनाव के बाद बदले के नाम पर पूरे-पूरे गांव खाली करवा दिए गए थे। 2021 की चुनावी हिंसा में हाईकोर्ट ने सीबीआई जांच के आदेश दिए किंतु ममता सरकार उन सभी में अड़ंगा डालती रही। आज संदेशखाली से आर जी कर कांड तक सभी पीड़ित परिवारों के मन में एक नया सबेरा आया है कि अब न्याय होकर रहेगा। बंगाल के हिंदू जनमानस को नयी सरकार पर भरोसा है इसलिए नई सरकार को भी अत्यंत तत्परता और सतर्कता के साथ संकल्प पत्र को पूरा करना होगा। नई सरकार ने अपनी पहली कैबिनेट की पहली बैठक में जो निर्णय लिए हैं उनसे उसकी गंभीरता तथा बंगाल की जनता के प्रति प्रतिबद्धता का पता चलता है।

नई सरकार के पहले फैसले- शुभेंदु मंत्रिपरिषद ने अपनी पहली बैठक में ही कई बड़े निर्णय लिए हैं। जिनमें आयुष्मान भारत योजना को बंगाल में लागू करना, भारतीय न्याय सहिंता के तीन कानूनों को लागू करना, बीएसएफ को सीमावर्ती क्षेत्रों में 45 दिनों के अन्दर जमीन स्थानांतरित करना शामिल है। ममता बनर्जी की सरकार इन सभी कार्यों में लगातार अड़ंगा ही डालती रही थी।

टिप्पणी

राष्ट्रीय एकता की भावना को आघात

किसी राज्य से लिया गया ड्राइविंग लाइसेंस पूरे भारत में मान्य होता है। ऐसे में, भाषा बोलने-पढ़ने की क्षमता के आधार पर किसी राज्य में उसकी मान्यता खत्म करना विवादास्पद एवं आपत्तिजनक सोच है। संभवतः यह अवैध भी है।

टैक्सी और ऑटो ड्राइवरों के लिए मराठी भाषा में निपुण होने की शर्त लागू कर महाराष्ट्र सरकार ने राष्ट्रीय एकता की भावना को आघात पहुंचाया है। देश के किसी हिस्से में जाकर रोजी-रोटी कमाने के नागरिकों के मूलभूत संवैधानिक अधिकार के खिलाफ तो यह कदम है ही। इसे भाषा या क्षेत्र के आधार पर नागरिकों के साथ भेदभाव करना भी माना जाएगा। राज्य सरकार के निर्णय के मुताबिक अगले एक मई से ऑटो और टैक्सी ड्राइवरों के लिए यह अनिवार्य हो जाएगा कि वे धारा-प्रवाह मराठी बोलें और मराठी भाषा को पढ़ सकें।

जो ड्राइवर इसमें फेल होंगे, उन्हें राज्य में टैक्सी या ऑटो नहीं चलाने दिया जाएगा। आगे से किसी ऐसे व्यक्ति को राज्य में इस काम की अनुमति नहीं दी जाएगी, जिसमें भाषा संबंधी उपरोक्त क्षमता ना हो। राज्य सरकार के 59 क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) और उप-कार्यालय खास सत्यापन अभियान शुरू करने जा रहे हैं। इस दौरान देखा जाएगा कि ड्राइवर प्रभावी ढंग से मराठी बोलने, लिखने, और पढ़ने में सक्षम हैं या नहीं। राज्य के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाइक ने कहा है कि जो ड्राइवर वेरिफिकेशन में फेल होंगे, उनके लाइसेंस और परमिट रद्द कर दिए जाएंगे। मगर, मुद्दा है कि क्या ऐसा करना वैधानिक है? किसी राज्य से लिया गया ड्राइविंग लाइसेंस पूरे भारत में मान्य होता है।

ऐसे में, भाषा बोलने- पढ़ने की क्षमता के आधार पर किसी राज्य में उसकी मान्यता खत्म करना विवादास्पद एवं आपत्तिजनक सोच है। अगर ऐसी ही सोच से दूसरे राज्य भी प्रेरित हुए, तो मराठी भाषी सहित तमाम इलाकाई लोगों के लिए अन्य क्षेत्रों में मुश्किल खड़ी हो सकती है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक महाराष्ट्र में 65 से 70 प्रतिशत टैक्सी-ऑटो ड्राइवर अन्य राज्यों के हैं। वे वहां वर्षों से काम कर रहे हैं, तो जाहिर है कि वे आम जन से संवाद करने लायक भाषा जानते- समझते हैं। भाषा जानने और सीखने का संबंध काफी हद तक रोज-रोटी के तकाजों से जुड़ा होता है। देवेंद्र फड़णवीस सरकार इस बुनियादी बात की उपेक्षा कर रही है। अतः उचित होगा कि समाज को तोड़ने वाले इस कदम को वह वापस ले ले।

ब्लॉग

पीएम मोदी के राष्ट्रहित के आह्वान में भी राजनीति क्यों?

ललित गर्ग

आज पूरी दुनिया एक ऐसे दौर से गुजर रही है, जहां युद्ध, आर्थिक अस्थिरता, ऊर्जा संकट और वैश्विक बाजार की अनिश्चितताओं ने मानव सभ्यता को नई चुनौतियों के सामने खड़ा कर दिया है। खाड़ी देशों में लंबे समय से चल रहे संघर्ष और युद्ध की विभीषिका ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को गहरे तक प्रभावित किया है। कच्चे तेल की कीमतों में लगातार वृद्धि, आपूर्ति श्रृंखलाओं का बाधित होना, डॉलर के मुकाबले विभिन्न देशों की मुद्राओं का कमजोर होना और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में उत्पन्न असंतुलन ने लगभग हर राष्ट्र की आर्थिक व्यवस्था को प्रभावित किया है। भारत भी इन परिस्थितियों से अछूता नहीं रह सकता। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयात करता है और सोने का भी विश्व के सबसे बड़े उपभोक्ताओं में से एक है। ऐसी स्थिति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देशवासियों से ईंधन के संयमित उपयोग और सोने की खरीद को सीमित करने का आह्वान केवल एक आर्थिक सलाह नहीं, बल्कि राष्ट्रहित में किया गया दूरदर्शी चिंतन है। दुर्भाग्य यह है कि मोदी की मितव्ययिता की अपील पर पूरे देश को एकजुट होकर गंभीरता से विचार करना चाहिए था, उस विषय को भी राजनीतिक विवाद का हथियार बना दिया गया। कुछ विपक्षी दलों ने प्रधानमंत्री की इस अपील को जनता में भय फैलाने वाला कदम बताया, तो कुछ ने इसे सरकार की विफलताओं को छिपाने का प्रयास कहा। जबकि वस्तुतः यह अपील राष्ट्र को भविष्य की संभावित चुनौतियों के प्रति सचेत करने और समय रहते आत्मानुशासन अपनाने का संदेश है। यह राजनीति का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय जिम्मेदारी का प्रश्न है। जब विश्व के बड़े-बड़े राष्ट्र आर्थिक संकटों से जूझ रहे हों, तब भारत के प्रधानमंत्री यदि नागरिकों को संयम एवं मितव्ययिता का सूत्र देते हैं तो उसे राजनीतिक चश्मे से नहीं, बल्कि राष्ट्रीय दृष्टि से देखा जाना चाहिए। यह पहला अवसर नहीं है, जब प्रधानमंत्री ने देश की तरक्की को बनाए रखने की सामूहिक चिन्ता करते हुए मितव्ययिता एवं संयम की अपील की हो।

भारत की संस्कृति मूलतः संयम प्रधान रही है। भारतीय जीवन-दर्शन में संयम को केवल व्यक्तिगत गुण नहीं, बल्कि जीवन की सबसे बड़ी शक्ति माना गया है। हमारे ऋषियों, मुनियों और महापुरुषों ने सदैव आवश्यकता और विलासिता के बीच अंतर करना सिखाया। महावीर, बुद्ध, गांधी और विनोबा भावे जैसे महापुरुषों ने त्याग और संयम को ही मानवता की सबसे बड़ी शक्ति बताया। भारतीय संस्कृति कहती है कि जितना आवश्यक हो उतना ही उपभोग करो, क्योंकि असीमित उपभोग अंततः संकट को जन्म देता है। यही कारण है कि भारतीय सभ्यता हजारों वर्षों तक टिकाऊ और संतुलित बनी रही। आज जब पूरी दुनिया उपभोक्तावाद के दुष्परिणाम भुगत रही है, तब भारत की यही संयम आधारित संस्कृति समाधान का मार्ग दिखा सकती है। सोने के प्रति भारतीय समाज का आकर्षण ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दोनों स्तरों पर गहरा रहा है। विवाह, पारिवारिक उत्सव, धार्मिक परंपराएं और सामाजिक प्रतिष्ठा में सोने का विशेष स्थान है। लेकिन यह भी एक कठोर सत्य है कि भारत का अधिकांश सोना आयातित होता है। हर वर्ष अरबों डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार सोने के आयात पर खर्च होता है। यह सोना उत्पादन या औद्योगिक विकास में उपयोग होने के बजाय घरों और लॉकरों में बंद होकर निष्क्रिय पड़ा रहता है। ऐसे समय में जब विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव बढ़ रहा हो और रुपये की कीमत लगातार गिर रही हो, तब सोने की खरीद में संयम बरतने की अपील आर्थिक दृष्टि से अत्यंत प्रासंगिक है। यह किसी की परंपराओं के विरोध में नहीं, बल्कि देश की आर्थिक मजबूती के पक्ष में उठाया गया कदम है।

इसी प्रकार ईंधन के उपयोग में संयम भी समय की आवश्यकता है। भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयातित तेल पर निर्भर है। खाड़ी देशों में युद्ध और अस्थिरता के कारण तेल की कीमतों में लगातार वृद्धि हो रही है। इसका सीधा प्रभाव पेट्रोल, डीजल, परिवहन, उद्योग और महंगाई पर पड़ता है। यदि नागरिक ईंधन के अनावश्यक उपयोग को सीमित करें, सार्वजनिक परिवहन का अधिक उपयोग करें, ऊर्जा बचत को जीवनशैली का हिस्सा बनाएं, तो इससे न केवल देश की अर्थव्यवस्था को राहत मिलेगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी मदद मिलेगी। संयम का अर्थ केवल त्याग नहीं होता, बल्कि दूरदर्शिता और जिम्मेदारी भी होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील इसी जिम्मेदारी की भावना से प्रेरित प्रतीत होती है। उन्होंने किसी प्रकार की जबरदस्ती या प्रतिबंध की बात नहीं की, बल्कि नागरिकों से स्वैच्छिक सहयोग की अपेक्षा की। यह लोकतांत्रिक नेतृत्व की पहचान है।

एक जिम्मेदार प्रधानमंत्री का कर्तव्य केवल संकट आने पर कदम उठाना नहीं होता, बल्कि संकट के संकेतों को पहचानकर समय रहते जनता को तैयार करना भी होता है। आज जब दुनिया के कई देशों में आर्थिक अस्थिरता के कारण भारी महंगाई, बेरोजगारी और सामाजिक तनाव देखने को मिल रहे हैं, तब भारत अपेक्षाकृत स्थिर स्थिति में है। यह केवल संयोग नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले वर्षों में अपनाई गई आर्थिक नीतियों, बुनियादी ढांचे के विस्तार, डिजिटल अर्थव्यवस्था, आत्मनिर्भर भारत अभियान और वैश्विक स्तर पर भारत की मजबूत स्थिति का परिणाम है। यह भी उल्लेखनीय है कि विश्वव्यापी संकटों के बावजूद भारत ने अपने नागरिकों पर अत्यधिक आर्थिक बोझ नहीं पड़ने दिया। महामारी से लेकर युद्धजनित परिस्थितियों तक भारत सरकार ने लगातार राहत योजनाएं चलाईं, गरीबों को मुफ्त राशन उपलब्ध कराया, किसानों और मध्यम वर्ग को विभिन्न प्रकार की सहायता दी तथा अर्थव्यवस्था को स्थिर बनाए रखने के लिए अनेक कदम उठाए। वैश्विक मंदी और युद्ध के वातावरण में भी भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल बना हुआ है। यह प्रधानमंत्री मोदी के कुशल नेतृत्व और दूरदर्शिता का प्रमाण है।

दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि देशहित के ऐसे विषयों पर भी कुछ राजनीतिक दल संकीर्ण राजनीति से ऊपर नहीं उठ पा रहे। लोकतंत्र में आलोचना का अधिकार सभी को है, लेकिन हर विषय को राजनीतिक लाभ-हानि के तराजू में तौलना राष्ट्रहित के विरुद्ध है। यदि प्रधानमंत्री जनता से संयम की अपील करते हैं तो विपक्ष को चाहिए कि वह भी जनता को जागरूक करे, न कि भय और भ्रम का वातावरण बनाए। राजनीति तब तक स्वस्थ मानी जाती है जब तक वह राष्ट्रहित से जुड़ी रहे। लेकिन जब राजनीति केवल विरोध के लिए विरोध करने लगे और राष्ट्रीय संकटों को भी अवसर की तरह देखने लगे, तब वह लोकतंत्र को कमजोर करती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि पूरा देश एक परिवार की तरह सोचते हुए राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि माने। संकट के समय संयम, अनुशासन और सहयोग ही किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत होते हैं। भारत ने इतिहास में अनेक बार यह सिद्ध किया है कि जब भी राष्ट्र पर संकट आया, भारतीय समाज ने अद्भुत त्याग और एकता का परिचय दिया। स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर युद्धकाल तक, भारतीय जनता ने अपने निजी हितों से ऊपर उठकर राष्ट्रहित को महत्व दिया है। आज फिर वही समय है जब हमें समझना होगा कि अनावश्यक उपभोग, दिखावे की प्रवृत्ति और अंधाधुंध विलासिता अंततः देश की आर्थिक मजबूती को कमजोर करती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील को इसी व्यापक संदर्भ में देखने की आवश्यकता है। यह केवल सोना न खरीदने या ईंधन बचाने का संदेश नहीं, बल्कि आत्मसंयम, आत्मअनुशासन और राष्ट्रीय जिम्मेदारी का संदेश है। भारतीय संस्कृति का मूल स्वर भी यही रहा है कि व्यक्ति अपने आचरण से समाज और राष्ट्र को मजबूत बनाए। यदि हम संयम को जीवन का हिस्सा बना लें तो अनेक आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय समस्याओं का समाधान स्वतः संभव हो सकता है। आज दुनिया जिस अनिश्चितता और संकट के दौर से गुजर रही है, उसमें भारत अपेक्षाकृत मजबूत स्थिति में खड़ा है। इसका श्रेय देश की जनता की सामर्थ्य के साथ-साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को भी जाता है। ऐसे समय में आवश्यकता राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप की नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता और सकारात्मक सोच की है। संयम केवल आर्थिक नीति नहीं, बल्कि राष्ट्रनिर्माण का आधार है। यदि हम इस भावना को समझ सकें, तो न केवल वर्तमान संकटों का सामना कर पाएंगे, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक मजबूत और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण कर सकेंगे।

प्रेम प्रसंग से नाराज बाप ने बेटी को चाकू से गोदा, हालत गंभीर

मेरठ। शुक्रवार को दिन निकले दौराला थाना क्षेत्र में प्रेम प्रसंग से नाराज बाप ने चाकू से ताबड़तोड़ वार करके बेटी को लहूलुहान कर दिया। घटना के चलते गांव में हड़कंप मच गया। गंभीर रूप से घायल युवती को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, पुलिस ने आरोपी बाप को हिरासत में लेते हुए उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। जानकारी के मुताबिक रुहासा गांव निवासी अल्ताफ कुरैशी की 18 वर्षीय बेटी तैयबा उर्फ साहिबा का गांव के ही रहने वाले एक युवक से पिछले काफी समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। बताया जाता है कि अल्ताफ इस रिश्ते के खिलाफ था। जिसके चलते वह कई बार बेटी को प्रेमी से मिलने के लिए मना कर चुका था। दो-तीन दिन पहले तैयबा अपने प्रेमी के साथ घर से चली गई। शुक्रवार की सुबह करीब 6:00 बजे तैयबा घर वापस लौटी। इसके बाद गुस्साए अल्ताफ ने चाकू लेकर बेटी तैयबा पर हमला बोल दिया।

300 रुपये के लिए दी मौत! सनकी ट्रक चालक ने चंद सिक्कों के लिए ली पंचर बनाने वाले की जान

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मैनाठेर थाना इलाके के डींगरपुर गांव से एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। मजदूरी के मामूली पैसों को लेकर हुए विवाद ने इतना हिंसक रूप ले लिया कि एक बेगुनाह इंसान को अपनी जान गंवानी पड़ी। एक ट्रक चालक और पंचर बनाने वाले कारीगर के बीच महज 300 रुपये के भुगतान को लेकर बहस शुरू हुई। मामूली कहासुनी देखते ही देखते हाथापाई में बदल गई।

गुस्साए चालक ने चाकू निकालकर पंचर बनाने वाले मैकेनिक पर हमला कर दिया। दबंग के हमले में बीच-बचाव करने आए दुकानदार के बहनोई इस्तेखार आलम गंभीर रूप से घायल हो गए। आनन-फानन में घायलों को जिला अस्पताल ले जाया गया, लेकिन जख्म इतने गहरे थे कि उपचार के दौरान पंचर मैकेनिक ने दम तोड़ दिया। 300 रुपये की मामूली रकम के लिए की गई यह हत्या इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत तफ्तीश शुरू कर दी है। हत्या की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची मैनाठेर पुलिस ने मृतक के शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। मृतक के परिवार वालों की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

300 रुपये के लिए हत्या

हत्या की घटना का विवरण देते हुए बताया गया कि बिहार के मुजफ्फरपुर जिले का रहने वाला मुशर्रफ डींगरपुर में टायर रिपेयरिंग की दुकान चलाता था। मंगलवार रात एक ट्रक चालक अपनी गाड़ी का टायर ठीक कराने पहुंचा था। काम पूरा होने के बाद जब मुशर्रफ ने अपनी मेहनत के 300 रुपये मांगे, तो चालक भड़क गया और पैसे देने में आनाकानी करने लगा। दोनों में बहस बढ़ती देख मुशर्रफ ने मदद के लिए अपने बहनोई इस्तेखार आलम को बुलाया। इस्तेखार ने जब चालक की बदतमीजी का विरोध किया और मेहनताना देने की बात कही, तो चालक ने आपा खो दिया। वह अपने ट्रक से धारदार चाकू निकाल लाया और इस्तेखार पर ताबड़तोड़ वार कर दिए, जिससे वह लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़े। पुलिस ने आनन-फानन में घायल को अस्पताल भिजवाया, जहाँ डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने आरोपी से पूछताछ शुरू की

हमले के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और परिजनों ने घायल इस्तेखार को अस्पताल पहुँचाया, जहां उनकी मौत हो गई। हत्या की सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकारी (CO) अशोक कुमार सिंह और पुलिस बल मौके पर पहुँचे। पुलिस की शुरुआती जांच में आरोपी चालक की पहचान रामपुर निवासी करीम के रूप में हुई है। हाथापाई के दौरान आरोपी भी घायल हुआ है और पास के एक निजी अस्पताल में अपना इलाज करवा रहा है। पुलिस ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

हापुड़ के पास दर्दनाक हादसा, भाजपा युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष समेत तीन की मौत

मेरठ। बुलंदशहर में शादी समारोह से लौट रहे चार दोस्तों की कार हापुड़ के पास भीषण सड़क हादसे का शिकार हो गई। हादसे में भाजपा युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष समेत तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी है। मेडिकल थाना क्षेत्र की उत्तराखंड कॉलोनी निवासी और भाजपा युवा मोर्चा जागृति विहार मंडल अध्यक्ष विशांत त्यागी अपने तीन दोस्तों लवी, ललित चौहान और मिथुन के साथ बुलंदशहर के स्याना क्षेत्र में एक विवाह समारोह में शामिल होने गए थे। देर रात चारों कार से मेरठ वापस लौट रहे थे।

रास्ते में हापुड़ के पास एक अज्ञात वाहन ने उनकी कार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार युवक बुरी तरह फंस गए।

विनीत शारदा से मिलीं शास्त्रीनगर सेक्टर चार की महिलाएं, सेक्टर दो में भी धरना जारी

» व्यापारी नेता विनीत शारदा से मिलकर मदद की गुहार लगाई

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। सेटबैक के विरोध में शास्त्रीनगर में दोनों स्थानों पर चल रहा महिलाओं का धरना शुक्रवार को भी जारी रहा। इस दौरान जहां सेक्टर चार की महिलाओं ने माता का हवन करते हुए अपने घर और व्यापार बचाने की प्रार्थना की। वहीं, व्यापारी नेता विनीत शारदा से मिलकर मदद की गुहार लगाई। उधर, दूसरी तरफ सेक्टर दो में भी महिलाओं का धरना जारी रहा।

सेक्टर चार के चौराहे पर चल रहा सेक्टर तीन और चार की महिलाओं का धरना शुक्रवार को भी जारी रहा। इस दौरान महिलाओं ने धरना स्थल पर माता का हवन किया। हवन में आहुतियां देते हुए महिलाओं ने अपने घर और व्यापार बचाने की प्रार्थना की। इसके बाद सभी महिलाएं भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक विनीत शारदा के शास्त्रीनगर सेक्टर छह स्थित आवास पर पहुंचीं। जहां उन्होंने विनीत शारदा से मिलकर मदद की मांग की।

विनीत शारदा ने बताया कि प्रदेश सरकार हर स्तर पर शास्त्रीनगर के नागरिकों के साथ है। भाजपा सांसद अरुण गोविल ने भी व्यापारियों और महिलाओं का केस लड़ने के लिए सुप्रीम कोर्ट में वकील खड़ा किया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि कानून के दायरे में रहते हुए महिलाओं की पूरी मदद की जाएगी। उधर, सेक्टर दो में चल रहा महिलाओं का धरना भी शुक्रवार को जारी रहा। महिलाओं का कहना है कि जब तक उन्हें लिखित आश्वासन नहीं मिलेगा तब तक धरना जारी रहेगा।

चाची ने मासूम को हीटर से जलाया, चारों भाई-बहन के पीठ-हाथ, हथेली और सिर में घाव देख कांप गए पुलिसकर्मी

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। हैलो पुलिस... जल्दी आओ हमारी बहन को चाची हीटर से जला रही है...। गुरुवार शाम 5:25 बजे यूपी 112 पर जैसे ही 14 वर्षीय किशोर की शिकायत भरी यह कॉल आई, पुलिस के कान खड़े हो गए। पीआरवी का स्टाफ तुरंत महाराजपुर स्थित गांव पहुंचा।

यहां किशोर के साथ उसके 11 व चार वर्षीय दो भाई और नौ साल की बहन मौजूद थी। बच्चों ने घाव दिखाकर आरोप लगाए कि चाची खाना मांगने पर भी बुरी तरह से पीटती हैं, जिन्हें देखकर पीआरवी स्टाफ भी सकते में आ गया। गांव पहुंचते ही पीआरवी स्टाफ अमरदीप और सुमित कुमार सिंह ने कॉल करने वाले किशोर से पूछा कि क्या हुआ। क्यों कंट्रोल रूम में शिकायत की थी। किशोर तुरंत रो दिया। जिसे देख उसके भाई बहन भी बिलख पड़े। दिलासा देने पर बोले मम्मी पापा मर गए हैं। चाचा-चाची के साथ रहते हैं। बच्चों ने एक स्वर में चाची पर मारपीट करने के आरोप लगाए। कहा खाना भी समय पर नहीं मिलता है। मांगने पर मार पड़ती है। सभी के पीठ, हाथ, हथेली, जांघ, सिर व अन्य हिस्सों में चोटों के निशान थे। पुलिस को देखकर ग्रामीण एकत्रित हो गए। उन्होंने भी बच्चों के आरोपों को सही बताया। कहा कि बच्चे चाचा-चाची की शिकायतें करते हैं, लेकिन लड़ाई झगड़े के डर से कोई विरोध करने की हिम्मत नहीं कर पाता है।

> महाराजपुर के एक गांव में बच्चों के साथ मारपीट किए जाने की सूचना आई थी। थाना प्रभारी मामले की जांच कर रहे हैं। यूपी 112 की टीम भी मौके पर गई थी। दोबारा शिकायत आने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।
>
> **- सत्यजीत गुप्ता, डीसीपी पूर्वी**

चाची ने कहा कि बच्चे स्कूल नहीं जाते हैं

पुलिसकर्मियों ने यह सुनने के बाद चाची को बुलाया और बच्चों के आरोपों के बारे में पूछा। चाची ने कहा कि बच्चे स्कूल नहीं जाते हैं। उन्होंने दुकान से चोरी की थी, जिसके लिए उनकी पिटाई की गई। पुलिसकर्मियों ने महिला को डपटते हुए सख्त हिदायत दी।

बच्चों को भूखा जानकर दोनों पुलिसकर्मी दुकान गए

कहा कि जेल चली जाओगी। जालिम हो, कोई बच्चों को इस तरह से मारता है। बच्चों को भूखा जानकर दोनों पुलिसकर्मी दुकान गए। वहां से खाने पीने की वस्तुएं और राशन लेकर बच्चों को दिया। पुलिसकर्मियों ने घटना की जानकारी थाने को दी। देर शाम महाराजपुर थाना प्रभारी राजेश सिंह मौके पर पहुंचे और उन्होंने बच्चों और ग्रामीणों से जानकारी जुटाई। उन्होंने भी बच्चों को प्यार और दुलार से रखने की नसीहत दी।

रोडरेज के बाद सिरफिरे युवक ने तेज रफ्तार कार से कई गाड़ियों को मारी टक्कर, 8 लोग घायल

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। फतेहउल्लापुर 60 फुटा रोड पर रोडरेज के बाद एक कार को तेज रफ्तार से दौड़ाया गया। आरोपित ने कार के सामने आने वाले को टक्कर मारते हुए तीन किमी तक दौड़ाया। इस दौरान ई-रिक्शा और दो बाइकों को टक्कर मारी, जिससे दो वर्षीय बच्चे समेत आठ लोग घायल हो गए।

आरोपित ने एक युवक को बोनट पर 500 मीटर तक घसीटा। गुस्साए लोगों ने कार में तोड़फोड़ की। पुलिस ने आरोपित को हिरासत में ले लिया। समर गार्डन निवासी अयान अपनी बहन के साथ वैन्यू कार से फतेहउल्लापुर जा रहा था। अलीबाग कॉलोनी के पास उसकी कार वैगनआर से टकरा गई। वैगनआर सवार ने अयान की पिटाई कर दी। अयान ने कार दौड़ा दी।

सुऐब नामक युवक ने कार रोकने की कोशिश की, लेकिन उसे टक्कर मार दी गई और वह बोनट पर गिर पड़ा। आरोपित ने कार नहीं रोकी और उसे 500 मीटर तक घसीटा। आगे ई-रिक्शा को टक्कर मारी, जिससे वह पलट गया। इसमें चालक नासिर, सायरा, वहीदन और दो वर्षीय बच्चा घायल हो गए। मोहसीन और अमदनगर में बाइक सवार महराज और शादाब को भी टक्कर मारी गई।

पिलोखड़ी चौकी के सामने पुलिस ने आरोपित को पकड़ा। लोगों ने कार पर पथराव कर शीशे तोड़ दिए। सीओ कोतवाली अभिषेक पटेल और पुलिस मौके पर पहुंची। लोहियानगर पुलिस ने आरोपित को हिरासत में लिया।

कार की टक्कर से घायल महिलाओं और बच्चे को फलहा-ए-आम अस्पताल में भर्ती कराया गया। सीओ ने बताया कि आरोपित को हिरासत में लेकर कार जब्त कर ली गई है। मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

गैस कनेक्शन पर नया अपडेट, ट्रांसफर की प्रक्रिया में हुआ बड़ा बदलाव ; इन उपभोक्ताओं को मिलेगी राहत

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। गैस कनेक्शन ट्रांसफर के बारे में उपभोक्ताओं के लिए नए दिशा-निर्देश जारी हुए हैं। अब कोई भी परिवार बिना वैध गैस कनेक्शन के परेशान न रहे। दूसरों के नाम का गैस कनेक्शन अब अपने नाम कराना आसान हो गया है। परिजन या परिचित के निधन पर उसी जमानत राशि में कनेक्शन ट्रांसफर हो जाएगा।

जिले में 13 लाख से अधिक एलपीजी उपभोक्ता हैं। 10 लाख की केवाईसी हो चुकी है। करीब 3 लाख उपभोक्ताओं की ई केवाईसी अधूरी है। इधर, नए कनेक्शन बंद हैं लेकिन पुराने कनेक्शन आसानी से ट्रांसफर हो रहे हैं। कई परिवार वर्षों से किसी और के नाम की गैस डायरी का उपयोग करते हैं, जिससे उन्हें कई सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाता। ऐसे उपभोक्ताओं को राहत देते हुए नाम परिवर्तन की प्रक्रिया को बेहद आसान कर दिया गया है। जिला पूर्ति अधिकारी आनंद कुमार ने बताया कि हर घर में वैध कनेक्शन हो और उपभोक्ताओं को भविष्य में किसी तकनीकी या कागजी परेशानी का सामना न करना पड़े। इसके लिए कनेक्शन ट्रांसफर के नियमों को आसान किया गया है।

कनेक्शन ट्रांसफर के नियम

रक्त संबंधियों के लिए यदि किसी मूल कनेक्शन धारक का निधन हो जाता है, तो उनके रक्त संबंधी आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी कर कनेक्शन अपने नाम करवा सकते हैं। इसके लिए उन्हें कोई नई सिक्योरिटी राशि नहीं देनी होगी, पुरानी प्रतिभूति राशि पर ही कनेक्शन ट्रांसफर हो जाएगा।

अन्य व्यक्तियों के लिए

यदि आप किसी अन्य व्यक्ति (जो रक्त संबंधी नहीं है) के नाम का गैस कनेक्शन इस्तेमाल कर रहे हैं, तो आप उसे भी वैध रूप से अपने नाम करवा सकते हैं। इसके लिए आपको सिर्फ पुरानी और वर्तमान सिक्योरिटी राशि के बीच का अंतर जमा करना होगा।

फंदे पर लटकता मिला चौथी कक्षा के छात्र का शव : घर पर नहीं थे परिजन

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। मेरठ के शास्त्री नगर में चौथी कक्षा के छात्र का शव फंदे से लटकता मिला। मौके पर पहुंची पुलिस ने छानबीन की और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि कोई संदिग्ध बात सामने नहीं आई है। संभवतः खेल-खेल में हादसा हुआ है।

शास्त्री नगर में मनीष अपने परिवार के साथ रहते हैं। वह चाय का खोखा चलाते हैं जबकि पत्नी प्रियंका किसी शोरूम में काम करती हैं। बुधवार को दोनों काम पर गए हुए थे। घर पर दोनों बेटे हितेश और प्रिंस अकेले थे। शाम करीब 7 बजे प्रिंस को घर के प्रथम तल पर फंदे के सहारे लटका देखा पड़ोसी पहुंच गए। सूचना पर मनीष और प्रियंका भी पहुंच गए लेकिन तब तक प्रिंस की मौत हो चुकी थी। इसकी सूचना पाकर नौचंदी थाने की पुलिस मौके पर पहुंच गई। उनके द्वारा फॉरेंसिक टीम को भी बुला लिया गया हालांकि परिजनों ने किसी भी तरह की कार्रवाई से इनकार कर दिया।

पुलिस ने परिजनों को समझाया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। प्रिंस की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। इंस्पेक्टर नौचंदी अनूप कुमार सिंह ने बताया कि खेल-खेल में यह हादसा हुआ है। हर रोज ही दोनों बच्चे घर पर अकेले रहते हैं। घर के अंदर किसी भी तरह की कोई संदिग्ध बात सामने नहीं आई है। परिजन भी किसी भी कार्रवाई से इनकार कर रहे थे लेकिन पोस्टमार्टम के बाद शव उन्हें दिया गया है। तहरीर मिलती है तो आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दिव्यांग होना कमजोरी नहीं...12वीं में 95.4% लाने वाले गगन ने ऐसे पाई सफलता, लंदन यूनिवर्सिटी से मिला ऑफर

आर्यावर्त संवाददाता

मथुरा। हौसलों के आगे तो आसमान भी झुक जाता है। इस कहावत को भद्रवन निवासी गगन सिंह राघव ने चरितार्थ कर दिखाया है। शत-प्रतिशत दृष्टिबाधित होने और आर्थिक तंगी के बावजूद, गगन ने सीबीएसई 12वीं के परीक्षा परिणाम में 95.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपनी मेधा का लोहा मनवाया है। अब उनकी इस असाधारण प्रतिभा को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली है और प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन ने उन्हें स्नातक की पढ़ाई के लिए प्रवेश का प्रस्ताव भेजा है।

गगन के पिता हाकिम सिंह किसान हैं। किसान परिवार के इस बेटे ने संसाधनों के अभाव के बीच एंड्रॉइड के टॉक बैक फीचर और ऑडियो तकनीक के सहारे अपनी तैयारी की। हालांकि जन्मजात ऑप्टिक नर्व ब्लॉक होने के कारण आंखों की रोशनी न मिलने और इंटरमीडिएट में ब्रेल लिपि की पुस्तकों की कमी जैसे संघर्षों ने उनकी राह रोकनी चाही, लेकिन गगन का संकल्प अडिग रहा।

वर्तमान में लंदन की भारी-भरकम फीस उनके सपनों के बीच दीवार बनी हुई है। गगन का लक्ष्य भविष्य में सिविल सेवा में जाकर समाज के वंचित और दिव्यांग वर्ग के लिए काम करना है।

नीट पेपर लीक के खिलाफ जूलूस निकाल प्रदर्शन

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। नीट पेपर लीक में शामिल सभी दोषियों को कड़ी सजा देने की मांग को लेकर डेमोक्रेटिक स्टूडेंट्स ऑर्गेनाइजेशन व डेमोक्रेटिक यूथ आर्गनाइजेशन ने संयुक्त रूप से जुलूस व विरोध प्रदर्शन आयोजित किया। जुलूस की शुरुआत बदलापुर सब्जी मण्डी के पास स्थित संगठन के कार्यालय से की गई, जो इन्दिरा चैक होते हुए बदलापुर तहसील परिसर पहुंच कर विरोध प्रदर्शन में तब्दील हो गया। जहां पर, महामहिम राष्ट्रपति को सम्बोधित 6 सूत्री मांग पत्रक तहसीलदार बदलापुर को सौंपा गया। वक्ताओं ने कहा कि, राजस्थान में प्रश्नपत्र लीक के आरोपों के बाद नीट 2026 को रद्द किया जाना और सीबीआई जांच के आदेश ने एक बार फिर देश में केंद्रीकृत उच्च-स्तरीय परीक्षाओं से जुड़े गहरे संकट को उजागर कर दिया है। छात्र संगठन

निष्पक्ष, पारदर्शी और सुरक्षित परीक्षा प्रक्रिया सुनिश्चित करने में लगातार विफलताओं की कड़ी निंदा करता है। पिछले कई वर्षों से विभिन्न केंद्रीय परीक्षाओं में पेपर लीक, अनियमितता, हेरफेर और भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप बार-बार सामने आते रहे हैं। इतने व्यापक प्रचारित "सुरक्षित" परीक्षा तंत्र को भेदने की क्षमता केवल सामान्य व्यक्तियों में नहीं हो सकतीय इस प्रकार की संगठित धांधली प्रभावशाली और ऊँचे स्तर के नेटवर्क की संलिप्तता की ओर संकेत करती है। यदि हर बार असली दोषियों को बचा लिया जाए या जांच निष्कर्षहीन रह जाए, तो छात्र और अभिभावक तथा अन्य केंद्रीय परीक्षाओं की विश्वसनीयता पर कैसे भरोसा करेंगे? इस अनिश्चित और त्रुटिपूर्ण व्यवस्था के कारण छात्रों पर पड़ने वाला भारी मानसिक दबाव अस्वीकार्य है।

जिम ट्रेनर को दोस्त ने मारी गोली: पिस्टल से फायरिंग की; हमलावर फरार

मेरठ। मेरठ के कंकरखेड़ा स्थित गणपति विहार में गुरुवार रात एक जिम ट्रेनर को उसके दोस्त ने गोली मार दी। गोली लगने से घायल ट्रेनर खुद अस्पताल पहुंचा, जबकि हमलावर अपने साथी के साथ मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलने पर एसपी सिटी और सीओ दौराला ने अस्पताल पहुंचकर घायल से वारदात की जानकारी ली।

नंगलाताशी निवासी राहुल उर्फ सुल्तान का गणपति विहार के बेसमेंट में 'सुल्तान फिटनेस जिम' है। गुरुवार रात करीब आठ बजे जब राहुल जिम पहुंचा, तब वहां पहले से मौजूद सुमित गुर्जर ने पिस्टल से उस पर फायर कर दिया। गोली राहुल के हाथ में लगी। हमले के बाद सुमित और उसका साथी मौके से भाग गए।

कंकरखेड़ा थाने के कार्यवाहक प्रभारी अजीत शाक्य ने बताया कि घायल राहुल ने डायल-112 पर घटना की सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की।

कैसे हुआ चमत्कार? 2 बेटे-2 बेटियां... 5 दिन में महिला ने 4 बच्चों को दिया जन्म, सभी की नॉर्मल डिलीवरी

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद स्थित तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी (TMU) अस्पताल में एक महिला ने 5 दिनों में 4 बच्चों को जन्म दिया है। संभल जिले की रहने वाली 31 वर्षीय अमीना इन बच्चों की मां बनी हैं। सबसे हैरान करने वाली बात यह रही कि इतने हाई-रिस्क मामले में चारों बच्चों की नॉर्मल डिलीवरी हुई है।

संभल के असमोली क्षेत्र की अमीना निवासी हैं। गर्भावस्था की शुरुआती जांच में ही यह पता चल गया था कि उनके गर्भ में चार भ्रूण पल रहे हैं। टीएमयू अस्पताल की स्त्री रोग विशेषज्ञों ने इसे बेहद संवेदनशील मामला बताया। डॉक्टरों ने परिवार को फीटल रिडक्शन यानी भ्रूणों की संख्या कम करने की सलाह भी दी थी, ताकि मां और बच्चों की जान को सुरक्षित रखा जा सके। हालांकि परिवार ने ईश्वर पर भरोसा जताते हुए चारों बच्चों को जन्म देने का फैसला किया।

प्रेग्नेंसी के दौरान कई तरह की आईं समस्याएं

प्रेग्नेंसी के दौरान अमीना को कई स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ा। उन्हें ब्लड प्रेशर और लीवर से जुड़ी दिक्कतें थीं, जिसके चलते उन्हें कई बार अस्पताल में भर्ती करना पड़ा। डॉक्टरों की टीम लगातार उनकी निगरानी करती रही और हर 15 से 20 दिन में जांच की जाती रही।

अस्पताल प्रशासन के अनुसार, 8 मई को अमीना को प्रसव पीड़ा शुरू हुई। इसके बाद 9 मई को उन्होंने पहले बच्चे को जन्म दिया, जो एक बेटा है। जन्म के समय उसका वजन करीब 710 ग्राम था। डॉक्टरों ने उस समय बाकी डिलीवरी को नियंत्रित कर रोक दिया क्योंकि गर्भावस्था केवल साढ़े छह से सात महीने की अवस्था में थी। इसके बाद 14 मई को अमीना को फिर से दर्द शुरू हुआ और अस्पताल पहुंचने पर तीन अन्य बच्चों का भी सफल नॉर्मल डिलीवरी के जरिए जन्म कराया गया। इनमें एक बेटा और दो बेटियां शामिल हैं।

मां और चारों नवजात डॉक्टरों की निगरानी में

फिलहाल मां और चारों नवजात डॉक्टरों की निगरानी में हैं। डॉक्टरों के अनुसार एक बच्चा पूरी तरह स्वस्थ है, जबकि अन्य बच्चों को विशेष देखभाल की जरूरत है। इस पूरे इलाज में डॉ। शुभ्रा अग्रवाल, डॉ। पूर्ति, डॉ। रोली और डॉ। मोनिका समेत कई विशेषज्ञ डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बच्चों के पिता मोहम्मद आलिम ने अस्पताल और डॉक्टरों की टीम का आभार जताते हुए कहा कि उन्हें शुरू से ही टीएमयू अस्पताल पर पूरा भरोसा था। उन्होंने डॉक्टरों की टीम को थैंक्यू कहा है।

दही नहीं होगा खट्टा, दूर होगी पनीर की ऐठनबड़े काम के हैं ये किचन हैक्स

गर्मी के मौसम में किचन से जुड़ी छोटी-छोटी परेशानियां अक्सर बड़ी समस्या बन जाती हैं। कभी दही जरूरत से ज्यादा खट्टा हो जाता है, तो कभी पनीर सख्त और ऐंठा हुआ लगने लगता है, जिससे खाने का स्वाद भी बिगड़ जाता है। कई बार सही सामग्री होने के बावजूद डिश वैसी नहीं बन पाती जैसी हम चाहते हैं, और इसका कारण होता है कुछ बेसिक किचन गलतियां या सही हैक्स की जानकारी का न होना।

ऐसे में अगर आपको कुछ आसान और असरदार किचन हैक्स पता हों, तो न सिर्फ आपका खाना स्वादिष्ट बनेगा बल्कि समय और मेहनत भी बचेगी। इस आर्टिकल में हम आपको कुछ ऐसे ही काम के किचन हैक्स के बारे में बता रहे हैं, जो दही को खट्टा होने से बचाने से लेकर पनीर को मुलायम बनाए रखने तक में आपकी मदद करेंगे और आपका किचन का काम भी हो जाएगा आसान।

दही नहीं होगा खट्टा

गर्मियों में अक्सर अगर दही को ज्यादा समय के लिए बाहर ही छोड़ दिया जाए तो वो काफी ज्यादा खट्टा हो जाता है। जिससे इसका स्वाद बिगड़ जाता है और खाने में भी अच्छा नहीं लगता है। ऐसे में अगर आप दही को खट्टा होने से बचाना चाहते है तो उसमें नारियल का एक छोटा सा टुकड़ा डाल दें। इससे दही खट्टा नहीं होगा और स्वाद बरकरार रहेगा।

पनीर की ऐठन ऐसे होगी कम

पनीर की सब्जी बनाते समय पनीर अगर रखा हुआ है तो वो ऐठ जाता है, जिससे सब्जी का स्वाद पूरी तरह से बिगड़ सकता है। इसलिए अगर पनीर ऐठा या सूखा हुआ है तो उसे बनाने से पहले कुछ देर के लिए पानी में सोख कर दें। इससे पनीर सॉफ्ट हो जाएगा और सब्जी स्वादिष्ट बनेगी।

जली हुई कढाही होगी साफ

खाना बनाते हुए कढ़ाही का जलना एक आम समस्या है। लेकिन इसे साफ करना काफी चैलेजिंग हो जाता है। लेकिन अगर आप जली कढ़ाही में पानी और बेकिंग सोडा डालकर उबालते हैं तो कढ़ाही जलापन छोड़ देगी, जिससे आपको इसे साफ करने में काफी आसानी होगी।

हाथों की जलन का ये है उपाय

हरी मिर्च काटने के बाद अमूमन लोगों के हाथों में जलन होने लगती है। अगर आपके साथ भी ऐसा होता है तो इसके लिए एक मजेदार हैक्स फॉलो कर सकती हैं। इसके लिए आप अपने हाथों में मिर्ची काटने से पहले दही या फिर ऑयल लगा सकती हैं।

सब्जी में ज्यादा तेल को कैसे कम करें?

सब्जी में तेल ज्यादा हो जाए तो ये समस्या का कारण बनता है। इसे निकालना मुश्किल हो जाता है। लेकिन अगर आप सब्जी का एक्सट्रा तेल निकालना चाहते हैं तो उसमें 2,3 आउस क्यूब डाल दें। ये चिकनाई को अब्जॉर्ब कर लेते हैं और फिर आप बर्फ के टुकड़े को निकालकर फेंक सकते हैं।

जून में खुलने जा रही उत्तराखंड की ये खूबसूरत जगह, अभी से बना लें घूमने का प्लान

अगर आप भी इस बार समर वेकेशन में किसी नई और कम भीड़ वाली जगह एक्सप्लोर करना चाहते हैं, तो अभी से हिमाचल की एक हिडेन स्पॉट को घूमने का प्लान बना सकते हैं। इस आर्टिकल में हम आपको उसके बारे में पूरी जानकारी दे रहे हैं।

वैली

गर्मियों की छुट्टियों में अगर आप किसी ऐसी जगह घूमने का सपना देख रहे हैं, जहां बर्फ से ढके पहाड़, रंग-बिरंगे फूलों की चादर और बादलों के बीच छिपी शांत वादियां एक साथ देखने को मिलें, तो उत्तराखंड की फ्लावर ऑफ वैली आपके लिए परफेक्ट डेस्टिनेशन साबित हो सकती है। जून का महीना शुरू होते ही यह खूबसूरत जगह टूरिस्ट के लिए खुलने वाली है और यहां का नजारा किसी जन्नत से कम नहीं लगता। दूर-दूर तक फैले रंगीन फूल, ठंडी हवाएं और पहाड़ों के बीच बहती छोटी-छोटी नदियां हर किसी का दिल जीत लेती हैं। यही वजह है कि हर साल बड़ी संख्या में ट्रैवल लवर्स यहां पहुंचते हैं।

शहरों की भीड़-भाड़ और गर्मी से दूर यह हिडन स्पॉट उन लोगों के लिए किसी सुकून भरी दुनिया जैसा है, जो नेचर के करीब वक्त बिताना चाहते हैं। चलिए इस आर्टिकल में आपको भी बताते हैं किस दिन ये वैली खुलने वाली है। यहां कैसे पहुंच सकते हैं और पूरी ट्रिप में कितना पैसा खर्च होगा।

जून में खुलने जा रही वैली ऑफ फ्लावर

वैली ऑफ फ्लावर उत्तराखंड के खूबसूरत स्पॉट्स में से एक है। ये इतनी खास इसलिए भी है क्योंकि साल में सिर्फ 4 महीने के लिए खुलती है। यानी जून से सितंबर के बीच ही आप यहां घूम सकते हैं। इस साल 1 जून से वैली ऑफ फ्लावर टूरिस्ट के लिए ओपन हो रही है, जहां अपने आसपास खूबसूरत रंग-बिरंगे फूलों का नजारा देख सकेंगे। ये जगह इतनी खूबसूरत है कि यहां से वापस आने का ही दिल नहीं करेगा। ये जगह उत्तराखंड के चमोली जिले में समुद्र तल से लगभग 3,352 मीटर से 3,658 मीटर (लगभग 11,000 से 12,000 फीट से ज्यादा) की ऊंचाई पर स्थित है।

ऑफ फ्लावर्स में क्या-क्या करें एक्सप्लोर

वैली ऑफ फ्लावर्स में घूमने के साथ-साथ कई रोमांचक एक्टिविटी भी की जा सकती हैं। यहां ट्रेकिंग सबसे पॉपुलर एक्टिविटी है, क्योंकि घाटी तक पहुंचने का रास्ता बेहद खूबसूरत पहाड़ों और जंगलों से होकर गुजरता है। 10 किलोमीटर की ट्रेकिंग करने के बाद आपको जन्नत सा नजारा देखने को मिलेगा। रास्ते इतने खूबसूरत हैं कि आप हर जगह को अपने कैमरे में कैद करना चाहेंगे। इसके अलावा यहां बर्ड वॉचिंग और कैंपिंग का एक्सपीरियंस भी ले सकते हैं। यहां एक Hemkund Sahib गुरुद्वारा है जिसके दर्शन कर सकते हैं।

दिल्ली से कैसे पहुंचे वैली ऑफ फ्लावर्स?

दिल्ली से वैली ऑफ फ्लावर्स पहुंचने के लिए आपको सबसे पहले हरिद्वार या फिर ऋषिकेश पहुंचना होगा। इसके बाद आपको वहां से शेयर टैक्सी लेकर गोविंद घाट पहुंचना है। आप चाहें तो बाइक रेंट पर लेकर भी जा सकते हैं, जहां रास्ते में आपको खूबसूरत पहाड़ और झरने देखने को मिलेंगे। गोविंद घाट पहुंचने के बाद आपको पुलना गांव तक जाना है, जहां जाने के लिए आपको प्राइवेट टैक्सी मिल जाएगी। यहां पहुंचकर आपको 10 किलोमीटर का ट्रेक करे पहुंचना होगा घंघरिया। यहां आप एक रात रुक भी सकते हैं। जहां होटल और होम स्टे कम दामों पर मिल जाते हैं। अगले दिन सुबह जल्दी उठे और 4 किलोमीटर की ट्रेक करके पहुंच जाएं वैली ऑफ फ्लावर्स, जिसे देख आपको लगेगा मानो स्वर्ग धरती पर ही उतर आया हो।

इन बातों का रखें ध्यान

बता दें कि, वैली ऑफ फ्लावर्स में मौसम कभी भी बदल जाता है। इसलिए अपने साथ जैकेट, कोट्स, रेनकोट और अच्छे शूज जरूर लेकर जाएं। ताकि ट्रेक करने में आसानी हो। यहां घूमने का सही बेस्ट समय होता है जुलाई से अगस्त...क्योंकि इस समय पूरी वैली फूलों से सजी होती है।

कूलर से आती है गंदी बदबू? इन 5 तरीकों से उसे कर सकते हैं दूर

गर्मियों में कूलर का इस्तेमाल करना काफी आरामदायक होता है। हालांकि, अगर कूलर से बदबू आने लगे तो यह अनुभव को खराब कर सकता है। यह बदबू बैक्टीरिया और फंगस की वजह से आती है, जो गंदगी और नमी में पनपते हैं। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताएंगे, जिनसे आप अपने कूलर से आने वाली बदबू को आसानी से दूर कर सकते हैं और उसे साफ-सुथरा रख सकते हैं।

बेकिंग सोडा का करें इस्तेमाल

बेकिंग सोडा एक उपयोगी सामग्री है, जो बदबू को दूर करने में मदद कर सकता है। इसे कूलर के पानी में मिलाने से नमी कम होती है और बैक्टीरिया पनपने का मौका नहीं मिलता। इसके लिए कूलर के पानी में एक चम्मच बेकिंग सोडा मिलाएं और इसे कुछ घंटों के लिए छोड़ दें, फिर पानी बदल दें। इससे आपके कूलर से आने वाली बदबू खत्म हो जाएगी और वह साफ-सुथरा रहेगा।

नींबू का रस डालें

नींबू का रस न केवल ताजगी देता है, बल्कि इसमें मौजूद एसिड भी बैक्टीरिया को मारता है, जिससे बदबू नहीं आती। इसके लिए कूलर के पानी में नींबू के कुछ टुकड़े डालें या फिर सीधे इसके रस को पानी में मिलाएं। इससे आपके कूलर से आने वाली बदबू दूर हो जाएगी और ताजगी बनी रहेगी। नींबू का नियमित उपयोग आपके कूलर को साफ-सुथरा रखने में मदद करेगा, जिससे यह लंबे समय तक सही काम करेगा।

सफेद सिरका भी है असरदार

सफेद सिरका एक बेहतरीन प्राकृतिक उपाय है, जो बैक्टीरिया को मारता है और बदबू दूर करता है। इसके लिए कूलर के पानी में सफेद सिरके की कुछ बूंदें मिलाएं और इसे कुछ घंटों के लिए छोड़ दें, फिर पानी बदल दें। इससे आपके कूलर से आने वाली बदबू खत्म हो जाएगी और यह साफ-सुथरा रहेगा। सफेद सिरका का नियमित उपयोग आपके कूलर को लंबे समय तक सही काम करने में मदद करेगा।

पुदीने की पत्तियां आएंगी काम

पुदीने की पत्तियां न केवल ताजगी देती हैं, बल्कि इनकी खुशबू लंबे समय तक बनी रहती है। इसके लिए कूलर के पानी में पुदीने की कुछ पत्तियां डालें या फिर इसके तेल की कुछ बूंदें मिलाएं। इससे आपके कूलर से आने वाली बदबू दूर हो जाएगी और ताजगी बनी रहेगी। पुदीने का नियमित उपयोग आपके कूलर को साफ-सुथरा रखने में मदद करेगा और उससे एक भीनी और अच्छी खुशबू भी आती रहेगी।

नियमित सफाई करें

कूलर की नियमित सफाई करना बहुत जरूरी है। इसके लिए हर हफ्ते कूलर की टंकी और पंखे को साफ करें। गंदगी हटाने के लिए पानी का उपयोग करें और अच्छे से सुखा लें। साथ ही दाग आदि को हटाने के लिए खास उत्पादों या प्राकृतिक सामग्री का उपयोग करें। इन तरीकों का पालन करके आप अपने कूलर से आने वाली बदबू को आसानी से दूर कर सकते हैं और इसे साफ-सुथरा रख सकते हैं।

अपने डेस्क को व्यवस्थित करने के लिए अपनाएं ये 5 हैक्स, ध्यान केंद्रित करना होगा आसान

अगर आप ऑफिस में काम करते हैं तो आपका डेस्क काफी हद तक आपके काम करने के तरीके को प्रभावित कर सकता है। एक साफ-सुथरा और व्यवस्थित डेस्क न केवल आपके काम को आसान बनाता है, बल्कि आपके दिमाग को भी शांत रखता है। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और प्रभावी तरीके बताएंगे, जिनसे आप अपने डेस्क को बेहतर तरीके से व्यवस्थित कर सकते हैं और अपने काम में ज्यादा ध्यान केंद्रित कर सकते हैं।

जरूरी चीजों को पास रखें

अपने डेस्क पर उन चीजों को हमेशा रखें, जो आपके लिए सबसे ज्यादा जरूरी हैं। जैसे कि आपके कंप्यूटर का माउस, कीबोर्ड और फोन का चार्जर आदि। इसके अलावा अगर आपको अक्सर कोई कागज चाहिए होता है तो उसे भी सामने रख लें। इससे आपको बार-बार उठकर चीजें ढूंढनी नहीं पड़ेगी और आपका समय बचेगा। इसके साथ ही आप बिना किसी रुकावट के अपना काम कर पाएंगे और आपका ध्यान भी बंटेगा नहीं।

एक समय पर एक ही काम करें

एक ही समय पर एक ही काम करना बहुत जरूरी है। इससे आपका ध्यान बंटेगा नहीं और आप ज्यादा काम कर पाएंगे। उदाहरण के लिए, अगर आप ई -मेल देख रहे हैं तो उसे पूरा करके ही अगले काम पर जाएं। इसी तरह अगर आप कोई रिपोर्ट लिख रहे हैं तो उसे पूरा करके ही दूसरे काम पर जाएं। इससे आपकी कार्यक्षमता बढ़ेगी और आप बेवजह की रुकावटों से बच सकेंगे।

फालतू सामान हटा दें

अपने डेस्क से फालतू सामान हटा दें, जैसे कि पुराने कागज, खाली पेन या कोई ऐसा सामान, जो अब आपकी जरूरत नहीं रहा। इससे आपका डेस्क साफ-सुथरा रहेगा और आपको काम करने में आसानी होगी। आप चाहें तो कुछ पौधे भी रख सकते हैं, जो माहौल को ताजगी देंगे और ध्यान केंद्रित करने में मदद करेंगे। एक साफ-सुथरा डेस्क आपके मनोबल को भी बढ़ाएगा और आप अधिक काम कर सकेंगे।

रंगों का सही चयन करें

रंग भी आपके काम करने के माहौल को प्रभावित कर सकते हैं। हल्के रंगों का इस्तेमाल करें, जैसे कि हल्का नीला या हरा, जो आंखों को आराम देते हैं और ध्यान केंद्रित करने में मदद करते हैं। इसके अलावा आप चाहें तो कुछ छोटे-छोटे पौधे भी रख सकते हैं, जो माहौल को ताजगी देंगे और आपके मनोबल को बढ़ाएंगे।

सही रंगों का चयन करने से आपका काम करने का माहौल बेहतर होगा और आप अधिक काम कर सकेंगे।

तकनीक का इस्तेमाल करें

आजकल कई ऐसी तकनीकी उपकरण उपलब्ध हैं, जो आपके काम को आसान बना सकती हैं। जैसे कि डिजिटल नोटबुक और स्मार्ट ऑर्गनाइजर आदि का इस्तेमाल करें। ये उपकरण न केवल आपका समय बचाएंगे, बल्कि आपके काम में भी सुधार करेंगे। इन तरीकों को अपनाकर आप अपने डेस्क को बेहतर तरीके से व्यवस्थित कर सकते हैं और अपने काम में ज्यादा ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। इससे न केवल आपकी उत्पादकता बढ़ेगी, बल्कि आपका मनोबल भी मजबूत रहेगा।

पीएम मोदी की अपील के बाद आरपीजी ग्रुप का बड़ा कदम, विदेशी यात्राएं कम और वर्क फ्रॉम होम पर जोर

PM मोदी की सादगी और जिम्मेदार खर्च की अपील के बाद RPG Group ने कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम अपनाने, विदेशी यात्राएं घटाने और इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के निर्देश दिए हैं। कंपनी ने वर्चुअल मीटिंग और खर्च नियंत्रण पर भी जोर दिया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सादगी और जिम्मेदार खर्च को बढ़ावा देने की अपील का असर अब कॉर्पोरेट सेक्टर में भी दिखने लगा है। देश के बड़े कारोबारी समूहों में शामिल RPG Group ने अपने कर्मचारियों और ग्रुप कंपनियों के लिए नई गाइडलाइन जारी की है। इसमें गैर-जरूरी खर्च कम करने, यात्रा घटाने और वर्क फ्रॉम होम को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया है।

हर्ष गोयनका ने जारी किया संदेश

RPG Group के चेयरमैन हर्ष गोयनका ने सीनियर अधिकारियों को भेजे गए संदेश में कहा कि प्रधानमंत्री ने देश में संसाधनों के जिम्मेदार इस्तेमाल और सादगी पर नया फोकस करने की बात कही है। ऐसे में ग्रुप की कंपनियों को भी आगे आकर उदाहरण पेश करना चाहिए। गोयनका ने कहा कि यह सिर्फ खर्च कम करने का मामला नहीं है, बल्कि जिम्मेदार और बेहतर कार्य संस्कृति विकसित करने की दिशा में भी जरूरी कदम है।

वर्क फ्रॉम होम को मिलेगा बढ़ावा

ग्रुप ने साफ कहा है कि जिन कर्मचारियों का काम घर से हो सकता है, उन्हें वर्क फ्रॉम होम के लिए प्रोत्साहित किया जाए। कंपनी का मानना है कि इससे यात्रा खर्च कम होगा और संसाधनों की बचत भी होगी। इसके अलावा वर्चुअल मीटिंग को बढ़ावा देने के निर्देश दिए गए हैं ताकि अलग-अलग शहरों में मीटिंग के लिए यात्रा करने की जरूरत कम पड़े।

विदेशी और घरेलू यात्राओं में कटौती

RPG Group ने कर्मचारियों की विदेश यात्राओं को बेहद जरूरी मामलों तक सीमित रखने को कहा है। वहीं घरेलू हवाई यात्राओं में भी बड़ी कटौती करने के निर्देश दिए गए हैं। कंपनी ने कहा कि जहां संभव हो, वहां ऑनलाइन मीटिंग और डिजिटल कम्युनिकेशन का इस्तेमाल किया जाए। इससे समय और खर्च दोनों की बचत होगी।

इलेक्ट्रिक वाहनों पर जोर

ग्रुप ने पर्यावरण के अनुकूल ट्रांसपोर्ट को बढ़ावा देने के लिए इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड वाहनों को अपनाने की रफ्तार तेज करने को कहा है। कंपनी के मुताबिक भविष्य में खरीदे या लीज पर लिए जाने वाले वाहन इलेक्ट्रिक या हाइब्रिड होने चाहिए। कर्मचारियों को कारपूलिंग और पब्लिक ट्रांसपोर्ट इस्तेमाल करने की सलाह भी दी गई है। कंपनी का कहना है कि ये कदम राष्ट्रीय हित के साथ-साथ बेहतर और जिम्मेदार कॉर्पोरेट संस्कृति बनाने में भी मदद करेंगे।

महंगाई का नया गणित : अगर डीजल 5 रुपए महंगा हुआ तो माल ढुलाई 3% महंगी, क्रिसिल ने दी कीमतों में बदलाव की चेतावनी

कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और डीजल महंगा होने की आशंका से ट्रांसपोर्ट सेक्टर पर दबाव बढ़ गया है। ट्रांसपोर्टर्स ने चेतावनी दी है कि ईंधन कीमत बढ़ने पर मालभाड़ा महंगा होगा, जिससे लॉजिस्टिक्स लागत और महंगाई दोनों बढ़ सकती हैं।

भारत में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों का असर अब ट्रांसपोर्ट और लॉजिस्टिक्स सेक्टर पर साफ दिखाई देने लगा है। ट्रांसपोर्ट कंपनियों और ट्रक ऑपरेटर्स का कहना है कि अगर डीजल के दाम बढ़ते हैं, तो उनका खर्च काफी बढ़ जाएगा और मुनाफा घट सकता है। इसका असर आने वाले समय में मालभाड़ा और रोजमर्रा की चीजों की कीमतों पर भी पड़ सकता है।

क्रिसिल इंटेलिजेंस की रिपोर्ट के मुताबिक, डीजल की कीमत में हर 5 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी होने पर ट्रांसपोर्टर्स को अपना मुनाफा बचाने के लिए मालभाड़ा दरों में करीब 2.15% से 2.18% तक इजाफा करना पड़ सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मौजूदा हालात में ट्रांसपोर्ट कारोबार पहले से ही दबाव में है और ईंधन महंगा होने से स्थिति और खराब हो सकती है।

1 करोड़ का टर्म इंश्योरेंस प्लान

पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें लगातार ऊंची बनी हुई हैं। इसके बावजूद सरकारी तेल कंपनियां फिलहाल देश में पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर रखे हुए हैं और भारी नुकसान झेल रही हैं।

तेल कंपनियों पर बढ़ रहा दबाव

केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने हाल ही में बताया था कि सरकारी तेल कंपनियों को हर दिन करीब 1,000 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है। इस तिमाही में कुल अंडर-रिकवरी करीब 1.98 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच चुकी है।

इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम जैसी कंपनियां हर महीने हजारों करोड़ रुपये का नुकसान उठा रही हैं क्योंकि कच्चा तेल 100 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर बना हुआ है।

छोटे ट्रांसपोर्टर्स पर सबसे ज्यादा असर

ट्रांसपोर्ट कारोबारियों का कहना है कि डीजल उनके कुल खर्च का 50% से 60% हिस्सा होता है। ऐसे में कीमत बढ़ते ही सीधा असर कमाई पर पड़ता है। खासकर छोटे और एक-दो ट्रक चलाने वाले ऑपरेटर्स के लिए स्थिति ज्यादा मुश्किल हो सकती है।

एक ट्रांसपोर्ट ऑपरेटर के मुताबिक, बाजार में पहले से ही ट्रकों की संख्या ज्यादा है जबकि माल ढुलाई की मांग कमजोर बनी हुई है। ऐसे में कंपनियां बढ़ी हुई लागत ग्राहकों पर पूरी तरह नहीं डाल पा रही हैं। कई ऑपरेटर्स का कहना है कि वे डीजल की बढ़ी लागत का 80% तक भी ग्राहकों से वसूल नहीं कर पा रहे। इससे उनका मार्जिन लगातार घट रहा है।

माल ढुलाई की रफ्तार भी पड़ी धीमी

क्रिसिल का पैन-इंडिया फ्रेट इंडेक्स अप्रैल में घटकर 100.15 पर आ गया, जो मार्च में 101.14 था। इसका मतलब है कि इंडस्ट्री और माल ढुलाई दोनों की गतिविधियों में कमी आई है। इसके अलावा FASTag ट्रांजैक्शन में भी गिरावट दर्ज की गई। टायर, टोल टैक्स, मेंटेनेंस और ड्राइवरों की बढ़ती सैलरी ने भी ट्रांसपोर्ट सेक्टर का खर्च बढ़ा दिया है।

विशेषज्ञों का मानना है कि अगर डीजल के दाम बढ़ते हैं, तो इसका असर सिर्फ ट्रांसपोर्ट सेक्टर तक सीमित नहीं रहेगा। लॉजिस्टिक्स लागत बढ़ने से रोजमर्रा के सामान की कीमतों में भी तेजी आ सकती है और महंगाई पर दबाव बढ़ सकता है।

ट्रंप के सामने जिनपिंग ने की अमेरिका की बेइज्जती, यूएस राष्ट्रपति ने भी मिलाई हां में हां

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चीन के दौरे पर हैं। बीजिंग दौरे के दौरान ट्रंप ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की। लेकिन मुलाकात के दौरान जिनपिंग ने अमेरिका की किरकिरी कराते हुए ट्रंप से कहा कि उसकी ताकत खत्म हो रही है। पश्चिम जगत गिर रहा है। अब व्हाइट हाउस और खुद ट्रंप ने भी स्वीकार किया कि जिनपिंग ने यह बात कही थी, लेकिन राष्ट्रपति ने आज शुक्रवार को चीनी समकक्ष के बयान को यह कहकर कमतर करने की कोशिश की, कि वो जो बाइडेन के कार्यकाल का जिक्र कर रहे थे।

राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि चीनी राष्ट्रपति का इशारा उनके पूर्ववर्ती जो बाइडेन के कार्यकाल की ओर था। बीजिंग में जिनपिंग के साथ अपनी शिखर बैठक के दूसरे दिन से पहले, ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर अपने लंबे पोस्ट में कहा, "जब राष्ट्रपति शी ने बहुत ही सलीके से अमेरिका को एक 'गिरता हुआ देश' कहा, तो उनका इशारा उस भारी नुकसान की ओर था जो हमें 'स्लीपी जो बाइडेन' और बाइडेन प्रशासन के 4 साल के कार्यकाल में उठाना पड़ा। वह इस मामले में वह 100 फीसदी सही थे।"

हालांकि, यह साफ नहीं हो सका कि ट्रंप, जिनपिंग की किस बात का जिक्र कर रहे थे- क्या यह बात उन्होंने बंद दरवाजों के पीछे कही, या फिर बीजिंग में किसी सार्वजनिक बातचीत के दौरान। इस दौरे के पहले दिन, जिनपिंग ने भले ही "गिरता हुआ देश" जैसे शब्दों का इस्तेमाल न किया हो, लेकिन उन्होंने "थ्यूसीडाइड्स ट्रैप" (Thucydides Trap) में फंसने के प्रति आगाह जरूर किया। अंतरराष्ट्रीय संबंधों में यह एक ऐसा सिद्धांत है जो प्राचीन काल में एथेंस के उदय से जुड़ा हुआ है, जब उसने स्पार्टा के वर्चस्व को चुनौती दी थी।

बीजिंग में कल गुरुवार को ट्रंप से द्विपक्षीय मुलाकात के दौरान अपने शुरुआती भाषण में जिनपिंग ने कहा, "दुनिया नए दोराहे पर आ खड़ी हुई है। क्या चीन और अमेरिका मिलकर 'थ्यूसीडाइड्स ट्रैप' से बाहर निकल सकते हैं। बड़े देशों के आपसी संबंधों का एक नया मॉडल तैयार कर सकते हैं?" हार्वर्ड के प्रोफ़ेसर ग्राहम एलिसन यह सिद्धांत बनाया था, कि कोई भी स्थापित शक्ति यानी Superpower अंततः किसी उभरती हुई शक्ति से तब टकराती है, जब उसे उस उभरती हुई शक्ति की तरक्की से अपनी सत्ता को खतरा महसूस होने लगता है।

एलिसन ने इस सिद्धांत का नाम प्राचीन यूनानी इतिहासकार थ्यूसीडाइड्स के नाम पर रखा था, जिन्होंने कहा था, "एथेंस का उदय हो रहा था, और उस उदय से स्पार्टा में पैदा हुआ डर ही वह वजह थी, जिसने दोनों के बीच युद्ध को अनिवार्य बना दिया था।" हालांकि जिनपिंग ने साल 2021 में यह कहा था, पूरब का उदय हो रहा है और पश्चिम का पतन।

अपने पोस्ट में ट्रंप ने जोर देकर कहा कि उनके राष्ट्रपतित्व काल के "16 शानदार महीनों" के दौरान अमेरिका ने "जोरदार अंदाज में तरक्की" की है। उन्होंने अमेरिका के फिर से उभरने के संकेतों के तौर पर रिकॉर्ड स्टॉक मार्केट, मजबूत रोजगार बाजार, नए निवेश के वादे, सैन्य ताकत और दुनिया भर में नए सिरे से बढ़े प्रभाव का जिक्र किया।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह भी दावा किया कि बीजिंग में शिखर सम्मेलन के दौरान जिनपिंग ने उनके प्रशासन की कई उपलब्धियों पर उन्हें जोरदार बधाई भी दी। ट्रंप ने लिखा, "2 साल पहले, सच कहूं तो, हमारा देश पतन की ओर बढ़ रहा था। इस बात पर मैं राष्ट्रपति शी जिनपिंग से पूरी तरह सहमत हूं। लेकिन अब, अमेरिका दुनिया का सबसे तेजी से उभरता हुआ देश है।" ट्रंप ने अपनी पोस्ट के आखिर में यह उम्मीद जताई कि दोनों ताकतों के बीच लगातार चल रहे तनाव के बावजूद, वॉशिंगटन और बीजिंग के रिश्ते "पहले से कहीं ज्यादा मजबूत और बेहतर" बनेंगे।

ताइवान पर चीन-अमेरिका में बढ़ेगा टकराव! ट्रंप के 3T प्लान पर जिनपिंग ने कर दिया खेल

बीजिंग, एजेंसी। बीजिंग में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप भले ही गर्मजोशी दिखाने की कोशिश कर रहे हों, लेकिन उनके तेवर ठंडे पड़े हुए हैं। ईरान को घुटनों पर लाने की जिद में अमेरिका खुद चीन के सामने झुकता नजर आ रहा है। डोनाल्ड ट्रंप वाशिंगटन में ईरान पर गरज सकते हैं, लेकिन बीजिंग की मेज पर ड्रैगन के सामने उनकी सारी हेकड़ी गुम हो गई है। ट्रंप साख बचाने गए थे, मगर जिनपिंग ने ताइवान और ईरान के ट्रैप में ऐसा दबाव बनाया कि अमेरिका खाली हाथ लौट सकता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति थ्री टी (ट्रेड, टेक्नोलॉजी और तेहरान) का जाल बुनकर बीजिंग गए थे, लेकिन चीन ने इस फॉर्मूले को पलटकर सारी बाजी ही उलट दी है। चीन ने ताइवान को लेकर त्रिस्तरीय घेराबंदी का चक्रव्यूह रच रखा है। चीन कभी भी शिकंजा कस सकता है। पहली लेयर 50-150 किमी है, जिसे दम घोंटने वाला घेरा कहा जा रहा है। ताइवान स्ट्रेट में हर वक्त निगरानी। कोस्ट गार्ड और मैरीटाइम मिलिशिया तैनात हैं। ग्रे जोन तैनाती से ताइवान को पूरी तरह घेरा गया है। दूसरी लेयर 150-500 किमी की है, हवाई और मिसाइल कवच, J-20 फाइटर जेट और S-400 मिसाइल डिफेंस इसमें तैनात और ताइवान के एयर स्पेस पर सख्त निगरानी रखी जा रही है। तीसरी लेयर सबसे बड़ी और 500-1000 किमी की है, जो रणनीतिक दीवार की तरह हैं।

यह फिलीपींस सागर से बाशी चैनल तक फैली है। यहां लियाओनिंग और शेडिंग एयरक्राफ्ट कैरियर वाले स्ट्राइक ग्रुप तैनात। इससे अमेरिका-जापान को दूर रखा जा सकता है। यह तैयारी साफ बता रही है कि चीन ईरान मुद्दे पर अमेरिका की शर्तों पर बात करने के मूड में नहीं है। अगर वार्ता होगी, तो अपनी शर्तों पर होगी। जिसमें अमेरिका ताइवान को लेकर कोई धमकी नहीं दे सकेगा।

ट्रंप-जिनपिंग मुलाकात

इस दौरे में ट्रंप ने जिनपिंग की तारीफों के पुल बांध दिए। उन्होंने कहा, "लोग हम दोनों के बारे में ये नहीं जानते... जब भी समस्या आई, हमने उसे बहुत जल्दी सुलझा लिया है। हमारा भविष्य एक साथ बेहद शानदार होने जा रहा है। चीन और आपके द्वारा किए गए कार्यों के प्रति मेरे मन में बहुत सम्मान है। आप एक महान नेता हैं।" जिनपिंग ने कहा, "प्रेसिडेंट ट्रंप, बीजिंग में आपसे मिलकर मुझे बेहद खुशी हुई। यह आपकी नौ सालों में पहली चीन यात्रा है। आज की मुलाकात पूरी दुनिया का ध्यान खींच रही है।"

ताइवान रहा तनाव की जड़

मुलाकात में सबसे बड़ा मुद्दा ताइवान रहा। चीन ने साफ कहा, अगर अमेरिका ताइवान में हस्तक्षेप करेगा तो स्थिति तनावपूर्ण हो सकती है। होर्मुज स्ट्रेट को खुला रखने पर दोनों पक्ष सहमत दिखे, लेकिन चीन किसी भी सैन्य तैनाती के खिलाफ है। अमेरिका ने तेल खरीदने पर सहमति जताई, लेकिन चीन की तरफ से अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई।

साउथ चाइना सी में तनाव का अंदेशा

चाहे बीजिंग में ट्रंप और जिनपिंग बीजिंग गर्मजोशी से मिल रहे हों, लेकिन साउथ चाइना सी में तनाव बना हुआ है। अमेरिकी ठिकाने हाई अलर्ट पर हैं। अमेरिका का जापान में कडेना एयरबेस, जो चीन से 800 किमी दूर, वहां F-15EX और F-35 तैनात कर दी गई है। वहीं फिलीपींस में लाओआग बेस, जो चीन से 700 किमी दूर, वहां टाइफॉन और टॉमहॉक मिसाइलें तैनात हैं। वहीं चीन से 600 किमी दूर ओकिनावा के फुटेनमा मरीन स्टेशन पर HIMARS और F-35 तैनात हैं और ताइवान के पास 5 से ज्यादा युद्धपोत, चीन से मात्र 240 किमी दूर तैनात है।

इस्राइल और लेबनान के बीच तीसरे दौर की वार्ता खत्म, अमेरिका बोला- सकारात्मक रही बैठक

वॉशिंगटन, एजेंसी। इस्राइल और लेबनान के बीच शांति वार्ता का तीसरा दौर पूरा हो गया है। गुरुवार को अमेरिकी विदेश मंत्रालय में तीसरे दौर की बातचीत आठ घंटे से अधिक समय तक चली। 'जेरूसलम पोस्ट' की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी के मुताबिक, यह बातचीत 'उत्पादक और सकारात्मक' रही। दोनों देशों के प्रतिनिधि आगे की चर्चा के लिए शुक्रवार को फिर मिलेंगे। अधिकारी ने कहा, बातचीत को आगे भी जारी रखा जाएगा और उम्मीद है कि आने वाले समय में और जानकारी साझा की जाएगी। इन वार्ताओं में अमेरिका की मध्यस्थता का नेतृत्व अमेरिका के इस्राइल में राजदूत माइक हकाबी, विदेश मंत्री मार्को रुबियो के सलाहकार माइकल नीडहम और अमेरिका के लेबनान में राजदूत माइकल ईसा ने किया। इस्राइल के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व अमेरिका में इस्राइली राजदूत येहिएल लीटर ने किया। उनके साथ रणनीति प्रमुख ब्रिगेडियर जनरल अमीचाई लेविन, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के एक प्रतिनिधि और वाशिंगटन में कार्यरत इस्राइली सैन्य प्रतिनिधि भी शामिल थे। लेबनान के प्रतिनिधिमंडल में अमेरिका में लेबनान के पूर्व राजदूत साइमन करम, वर्तमान लेबनानी राजदूत नादा हमादे मौआवद और वाशिंगटन में लेबनान के सैन्य प्रतिनिधि शामिल थे। वार्ता से पहले एक इस्राइली अधिकारी ने जेरूसलम पोस्ट को बताया था कि इन बातचीतों का मकसद समझौते के ढांचे पर और गहराई से चर्चा करना है। बताया जा रहा है कि यह पहली बार है जब इन वार्ताओं में सैन्य प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया है और यह बैठक तीन सप्ताह के युद्ध विराम विस्तार की समाप्ति से ठीक पहले हुई।

भारत-ऑस्ट्रेलिया एयर स्टाफ वार्ता में MQ-28 Ghost पर चर्चा, भविष्य की एयर कॉम्बैट टेक्नोलॉजी पर फोकस

सिडनी, एजेंसी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच हुई एयर स्टाफ वार्ता में आधुनिक एयर कॉम्बैट टेक्नोलॉजी और मानव रहित लड़ाकू सिस्टम पर खास जोर दिया गया है। इस दौरान MQ-28 Ghost ड्रोन प्लेटफॉर्म भी चर्चा का प्रमुख विषय रहा। Boeing द्वारा विकसित MQ-28 Ghost को ऑस्ट्रेलिया की रॉयल ऑस्ट्रेलियन एयरफोर्स के लिए तैयार किया गया है। यह एक Loyal Wingman या Collaborative Combat Aircraft (CCA) प्लेटफॉर्म है, जिसे लड़ाकू विमानों के साथ मिलकर काम करने के लिए डिजाइन किया गया है।

MQ-28 Ghost एक एडवांस मानव रहित कॉम्बैट एयरक्राफ्ट है, जो युद्ध के दौरान फाइटर जेट्स को सपोर्ट करता है। यह दुश्मन की निगरानी, इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर, टारगेट ट्रैकिंग और जोखिम वाले मिशन जैसे काम कर सकता है। MQ-28 घोस्ट बैट जैसे विमान 'फोर्स मल्टीप्लायर' का काम करते हैं। यह एक फाइटर जेट की ताकत को कई गुना बढ़ा देते हैं और युद्ध में जोखिम को कम करते हैं।

भारत के लिए क्यों है अहम?

भारत खुद भी अपना स्वदेशी 'लॉयल विंगमैन' (Warrior Drone) विकसित कर रहा है। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया के साथ MQ-28 जैसे एडवांस्ड प्लेटफॉर्म पर चर्चा करना भारत के लिए तकनीक साझा करने और संयुक्त ट्रेनिंग के नए रास्ते खोल सकता है। यह साझेदारी आने वाले समय में भारतीय वायुसेना को दुनिया की सबसे आधुनिक सेनाओं की कतार में और मजबूती से खड़ा करेगी।

समारोह में कौन-कौन रहा शामिल

ऑस्ट्रेलियाई रक्षा मंत्रालय ने इस मुलाकात की जानकारी देते हुए बताया कि ऑस्ट्रेलियाई वायु सेना के डिप्टी चीफ, एयर वाइस-मार्शल स्टीवन पेस ने कैनबरा और ब्रिस्बेन में एयर वाइस-मार्शल संजीव तालियान की मेज़बानी की। ऑस्ट्रेलियाई रक्षा मंत्रालय ने कहा, "वायु सेना के डिप्टी चीफ, एयर वाइस-मार्शल स्टीवन पेस (AM) ने हाल ही में कैनबरा और ब्रिस्बेन में IAF MCC के एयर वाइस-मार्शल संजीव तालियान की मेज़बानी की। इस दौरान, पेशेवर हवाई शक्ति पर बातचीत के जरिए ऑस्ट्रेलिया-भारत रक्षा सहयोग को आगे बढ़ाया गया।"

H-1B वीजा को लेकर बालाजी मंदिर का क्या कनेक्शन, अमेरिकी सीनेटर ने क्यों की भारतीयों की आलोचना

नई दिल्ली। अमेरिकी सीनेटर एरिक शिमट ने हैदराबाद के चिलकुर बालाजी मंदिर को निशाना बनाकर एक ऑनलाइन विवाद खड़ा कर दिया है। इस मंदिर को आम तौर पर "वीजा मंदिर" के नाम से जाना जाता है। शिमट ने यह तब किया जब वे अमेरिका के H-1B वीजा प्रोग्राम की आलोचना कर रहे थे।

शिमट ने सोशल मीडिया X पर कई पोस्ट की सीरीज में, मिसौरी के रिपब्लिकन सीनेटर ने अमेरिका की रोज़गार-आधारित वीजा प्रणाली पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि यह प्रणाली स्थानीय मजदूरी को कम करती है और एक ग्लोबल तौर पर "वीजा कार्टेल" बनाती है, जो अमेरिकी कामगारों को विस्थापित कर देता है। उन्होंने यह भी दावा किया कि H-1B, L-1, F-1 और ऑप्शनल प्रैक्टिकल ट्रेनिंग (OPT) जैसे प्रोग्राम अमेरिकी मध्यम वर्ग को नुकसान पहुंचा रहे हैं और उसे "खोखला" कर रहे हैं। उन्होंने X पर कहा, "अब AI ट्रेनिंग के लिए अरबों डॉलर भारत भेजे जा रहे हैं, जिसका खर्च अमेरिकी लोग उठा रहे हैं।"

अपने दावों को साबित करने के लिए, शिमट ने चिलकुर बालाजी मंदिर की एक तस्वीर शेयर की। उन्होंने कहा कि यह एक 'वीजा मंदिर' है, जहां भारतीय या "वीजा कार्टेल" से जुड़े लोग अपने वीजा मंजूर करवाने के लिए प्रार्थना करते हैं। उन्होंने कहा, "इस 'वीजा कार्टेल' का हैदराबाद में अपना एक 'वीजा मंदिर' है। यहां हजारों भारतीय मंदिर की परिक्रमा करते हैं और US वर्क वीजा पाने के लिए अपने पासपोर्ट पर आशीर्वाद लेते हैं। अमेरिकी कामगारों को ऐसी धांधली वाली प्रणाली से मुकाबला नहीं करना चाहिए।"

योग्यता की जगह जातीय पक्षपात : सीनेटर

एक अलग ट्वीट में, अमेरिकी सीनेटर ने आरोप लगाया कि विदेशी छात्रों, जिनमें से लगभग आधे भारतीय होते हैं, को टैक्स देने वालों के पैसे से वर्क परमिट मिलते हैं। साथ ही, कंपनियों को पेरोल टैक्स या मजदूरी से जुड़े नियमों का पालन नहीं करना पड़ता। उन्होंने कहा, "वे पहले H-1B वीजा पाते हैं, फिर ग्रीन कार्ड पाते हैं। जबकि कर्ज में डूबे अमेरिकी ग्रेजुएट सस्ते श्रम से मुकाबला कर रहे होते हैं।" अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए, शिमट ने कहा कि "कार्टेल का काम" सिर्फ यहीं तक सीमित नहीं है। उन्होंने यह भी दावा करते हुए कहा कि भारतीय वीजा धारक इंटरव्यू में पूछे जाने वाले गोपनीय सवालों को भारत के अन्य आवेदकों के साथ शेयर करते हैं। उन्होंने यह भी कहा, "कई बड़ी टेक कंपनियां इन रास्तों का इस्तेमाल करते हुए चुपके से अमेरिकियों को नौकरियों से बाहर कर देती हैं। अब योग्यता की जगह जातीय पक्षपात ने ले ली है।"

वीजा के लिए मंदिर का आशीर्वाद

हैदराबाद में कई ऐसे मंदिर हैं, जो US वीजा आवेदकों की मंजूरी की उम्मीदों को पूरा करने के लिए आस्था से जुड़े हैं, खासकर छात्रों और IT कर्मचारियों के बीच। यहां वीजा आवेदकों के लिए अपने इंटरव्यू से पहले या विदेश जाने से पहले इन मंदिरों में जाना और आशीर्वाद मांगना एक आम बात है। इस मामले में सबसे मशहूर मंदिर चिलकुर बालाजी मंदिर है, जिसे स्थानीय लोग "वीजा मंदिर" भी कहकर बुलाते हैं। यहां भक्त अपने US वीजा आवेदन के लिए भगवान का आशीर्वाद लेने आते हैं। भारत को कुल H-1B वीजा मंजूरी का करीब 70-80 फीसदी हिस्सा मिलता है, जो चीन की तुलना में कहीं ज्यादा है, जबकि चीन का हिस्सा करीब 12 फीसदी है।

बालाजी मंदिर में क्या मान्यता

हैदराबाद स्थित चिलकुर बालाजी मंदिर मुख्य रूप से वीजा बालाजी मंदिर के रूप में प्रसिद्ध है जहां मान्यता है कि भगवान वेंकटेश्वर (बालाजी) का आशीर्वाद लेने से भक्तों को विदेशी वीजा मिलने में आ रही बाधाएं दूर हो जाती हैं। भक्त वीजा मिलने की मन्नत के साथ मंदिर में 11 परिक्रमा भी करते हैं। फिर मन्नत पूरी होने पर वे भगवान को धन्यवाद देने के लिए 108 परिक्रमा करने वापस आते हैं। समानता का प्रतीक इस मंदिर में कोई विशेष वीआईपी दर्शन की व्यवस्था नहीं है। जिससे यह सभी भक्तों के लिए समान रूप से खुला हुआ है। ऐसी मान्यता है कि यह मंदिर 500 साल से भी अधिक पुराना है और इसे तेलंगाना के सबसे पुराने मंदिरों में से एक माना जाता है।

पेट्रोल-डीजल की कीमत बढ़ने पर कांग्रेस हमलावर, प्रधानमंत्री मोदी को बताया 'महंगाई मैन'

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस पार्टी ने देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस ने कहा कि केंद्र सरकार ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में तीन रुपये की बढ़ोतरी करके जनता पर करारा प्रहार किया है। कांग्रेस ने ईंधन की कीमतों में इस वृद्धि को चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा चुनाव संपन्न होने से जोड़ते हुए कहा कि चुनाव के बाद पीएम मोदी की वसूली शुरू हो गई है।

कांग्रेस ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'महंगाई मैन' मोदी ने आज एक बार फिर जनता पर करारा प्रहार किया है। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में तीन-तीन रुपये की बढ़ोतरी हुई है। साथ ही, सीएनजी की कीमतों में भी दो रुपये की बढ़ोतरी हुई है। चुनाव खत्म - मोदी की वसूली शुरू।'

कितने बढ़े दाम और अब क्या हैं कीमतें?

दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 94.77 रुपये से बढ़कर 97.77 रुपये प्रति लीटर हो गई है। वहीं, डीजल का दाम 87.67 रुपये से बढ़कर 90.67 रुपये प्रति लीटर हो गया है। यह वृद्धि ऐसे समय में हुई है जब दुनिया पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण ऊर्जा संकट का सामना कर रही है। इस संघर्ष से महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य में नाकेबंदी हुई है। ब्रेंट तेल की कीमतें 28 फरवरी को शुरू हुए अमेरिका-इस्राइल और ईरान युद्ध के बाद रिकॉर्ड उच्च स्तर पर हैं।

ऊर्जा संकट और वैश्विक प्रभाव

ब्रेंट तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी हुई है। अमेरिका और ईरान क्षेत्र में दीर्घकालिक युद्धविराम के लिए मध्यस्थता का प्रयास कर रहे हैं। युद्ध के दायरे में पश्चिम एशियाई देश भी आ गए हैं। ये देश ईंधन के प्रमुख आपूर्तिकर्ता हैं। इससे वैश्विक ऊर्जा बाजार में अस्थिरता बढ़ी है। हालांकि, भारत सरकार ने कहा है कि देश में ईंधन की कोई कमी नहीं है। सरकार के पास पर्याप्त ऊर्जा आपूर्ति मौजूद है। कांग्रेस ने ईंधन संरक्षण के आह्वान के बीच इस वृद्धि पर सवाल उठाए हैं।

पीएम मोदी पर कांग्रेस का करारा हमला

इसी के साथ कांग्रेस ने पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए एक्स पर एक अलग पोस्ट में लिखा- अमेरिका में अदाणी पर चल रहा फ्रॉड का केस बंद हो जाएगा, अब साफ है कि मोदी ने अमेरिका के साथ एकतरफा डील इसलिए की ताकि अदाणी को राहत मिल सके। यही वजह है कि मोदी अमेरिका के आगे खुलकर बोल नहीं पाते हैं, ट्रंप जितना कहते हैं, मोदी उतना ही करते हैं। मोदी पूरी तरह से कॉमप्रोमाइज्ड हैं।

कान 2026 में ब्लैक ऑफ शोल्डर कॉर्सेट टॉप और स्कर्ट में बेहद हसीन दिखीं तारा सुतारिया, देखें सात वायरल तस्वीरें

तारा सुतारिया कान 2026 में शिरकत कर चुकी हैं। वहीं अब कान 2026 से तारा का एक नया लुक सामने आया है, जिसमें वह बला की खूबसूरत लग रही हैं।

कान फिल्म फेस्टिवल 2026 में तारा सुतारिया ने पहले लुक से सबका ध्यान खींचा था। अब उन्होंने एक और खूबसूरत लुक के साथ वापसी की है। इस बार उन्होंने भारी-भरकम गाउन की जगह सरल और एलिगेंट स्टाइल चुना, जिसमें वह बेहद हसीन दिख रही हैं।

तारा ने यह ब्लैक ड्रेस लुक 'रेड सी वुमन इन सिनेमा' के कार्यक्रम के लिए लिया है। रोमानियाई डिजाइनर रिया कोस्टा की इस ड्रेस को तान्या घावरी ने स्टाइल किया है।

तारा ने ब्लैक ड्रेस में डलीला (dalila top) नाम का ऑफ-शोल्डर कॉर्सेट टॉप पहना है, जो शरीर पर अच्छे से फिट बैठता है। इसके साथ मैचिंग काली मिडी स्कर्ट है, जिसमें हल्की प्लेट्स और पीछे छोटी सी स्लिट बनी है।

तारा का यह पूरा लुक क्लासिक काले रंग का है, जो न ज्यादा भड़कीला है और न ही पुराना लगता है। जो बहुत महंगा और स्टाइलिश दिखता है। कान जैसे बड़े फेस्टिवल में जहां भारी गाउंस हर तरफ दिखते हैं, तारा का यह एलिगेंट और ताजा लुक अलग और खास है।

एक्सेसरीज की बात करें तो तारा ने विंटेज शनेल इयररिंग्स के साथ सेंट लॉरेंट के काले सनग्लासेस पहने हैं। इसके साथ तारा ने जिमी चू हील्स से अपने लुक को और भी इनहैंस किया है। तारा सुतारिया ने ज्यादा गहने नहीं पहने। हल्का मेकअप, तरोताजा चेहरा और सुंदर बालों के साथ उन्होंने अपने पूरे लुक को परफेक्ट बनाया है।

तारा ने इस लुक से साबित कर दिया कि रेड कार्पेट पर जलवा बिखेरने के लिए भारी गाउन की जरूरत नहीं है। एक अच्छी फिटिंग वाली काली ड्रेस, सही एक्सेसरीज ही काफी है।

वर्कफ्रंट की बात करें तो तारा सुतारिया फिल्म 'टॉक्सिक' में नजर आएंगी। 'टॉक्सिक ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन अप्स' में कन्नड़ सुपरस्टार यश मुख्य भूमिका में हैं। यह एक बहुप्रतीक्षित एक्शन-थ्रिलर फिल्म है। इस फिल्म को गीतु मोहनदास ने निर्देशित किया है।

शाहरुख खान की 'किंग' से लीक हुआ अभिषेक बच्चन का धांसू लुक, एक्शन फिल्म में निभाएंगे दमदार भूमिका

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान की मच अवेटेड फिल्म 'किंग' अपनी घोषणा के बाद से ही लगातार चर्चाओं में बनी हुई हैं। फिल्म से शाहरुख खान का लुक पिछले साल मेकर्स ने जारी किया था। इसके बाद बीते दिनों शूटिंग के दौरान के फोटो-वीडियो सामने आए थे, जहां शाहरुख के साथ दीपिका नजर आई थीं। अब फिल्म से अभिषेक बच्चन का लुक ऑनलाइन लीक हो गया है। अब ये लुक सोशल मीडिया पर वायरल है।

फिल्म को लेकर सामने आई रहीं चर्चाओं के मुताबिक, अभिषेक 'किंग' में विलेन के रूप में नजर आएंगे। ऑनलाइन लीक हुए लुक में भी उनका खतरनाक अंदाज देखने को मिल रहा है। वायरल हो रही फोटो में अभिषेक बच्चन एक गाड़ी के ऊपर खड़े नजर आ रहे हैं। उनके हाथों में शॉटगन है। छोटे बाल वाले लुक में अभिषेक काला चश्मा लगाए नजर आ रहे हैं। वायरल फोटो में अभिषेक ब्लैक आउटफिट पर ग्रे कलर का ओवरकोट पहने हुए हैं। फोटो में उनके बैकग्राउंड में पहाड़ी चोटी नजर आ रही है।

फिल्म से शाहरुख और दीपिका के फोटो-वीडियो भी हो चुके हैं लीक

इससे पहले 'किंग' से शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण की भी साउथ अफ्रीका में शूटिंग सेट से तस्वीरें वायरल हुई थीं। ये तस्वीरें किसी गाने की शूटिंग की मालूम पड़ती हैं। इसके बाद निर्देशक सिद्धार्थ आनंद ने लोगों से अपील की थी कि तस्वीरों को शेयर न करें। वहीं वायरल हुए शूटिंग के एक वीडियो में शाहरुख और दीपिका दक्षिण अफ्रीका में सनसेट के समय बीच पर शूटिंग करते नजर आए थे। क्लिप में दीपिका सफेद ड्रेस में थीं, जबकि शाहरुख धारीदार शर्ट और काले ट्राउजर में नजर आए थे। उसी शेड्यूल के कुछ और सीन में उन्हें एक गाने की शूटिंग के दौरान हाथ में हाथ डाले चलते हुए देखा गया। उन तस्वीरों में दीपिका फ्लोरल प्रिंट गाउन में थीं, जबकि शाहरुख बिना बटन वाली प्रिंटेड शर्ट में सफेद-काले बालों के साथ दिखाई दिए। एक अन्य बिहाइंड-द-सीन क्लिप में शाहरुख सीढ़ियों पर रुकते हुए, पीछे मुड़कर दीपिका को हाथ बढ़ाते हुए दिखाई दिए।

24

दिसंबर को रिलीज होगी 'किंग'

सिद्धार्थ आनंद द्वारा निर्देशित 'किंग' में शाहरुख खान प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। इसके अलावा फिल्म में एक बड़ी स्टारकास्ट नजर आएगी, जिसमें शाहरुख की बेटी सुहाना खान, दीपिका पादुकोण, अभिषेक बच्चन, रानी मुखर्जी, अनिल कपूर, अरशद वारसी, जयदीप अहलावत, जैकी श्रॉफ, राघव जुयाल और अभय वर्मा भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। यह एक्शन फिल्म इसी साल 24 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

मैं आमिर खान का बेटा हूं, इसलिए मुझे...जुनैद ने बताई नेपोटिज्म की हकीकत, 2 Flop के बाद बोल दिया कड़वा सच

आमिर खान के बेटे जुनैद खान की हालिया रिलीज़ फिल्म 'एक दिन' बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई है। इससे पहले उनकी थिएट्रिकल डेब्यू फिल्म 'लवयापा' भी फ्लॉप साबित हुई थी। लगातार दो फ्लॉप देने के बाद भी जुनैद के पास आने वाले दिनों में कई फिल्में हैं। इस पर जुनैद ने खुलकर माना है कि आमिर के बेटे होने की वजह से उन्हें लगातार फिल्मों को ऑफर्स मिलने में मदद मिलती है। सिनेमा की दुनिया में नेपोटिज्म के सवाल पर जुनैद ने कहा कि स्टार किड्स को अक्सर ज्यादा मौके मिलते हैं, क्योंकि वो ऑडियंस के बीच पहले से मशहूर होते हैं और प्रोड्यूसर के लिए फिल्म को बेचना आसान हो जाता है।

जुनैद खान ने हाल ही में विकी लालवानी को एक इंटरव्यू दिया है। इस दौरान उन्होंने कई मुद्दों पर बात की। उन्होंने एक दिन के फ्लॉप होने और आमिर खान के काम करने के तरीके पर भी चर्चा की। फिल्मी सितारों के बच्चे जब इंडस्ट्री में आते हैं तो अक्सर नेपोटिज्म यानी भाई-भतीजावाद का आरोप लगता है। इसपर भी जुनैद ने बात की। उन्होंने कहा, "नेपोटिज्म शब्द मुझे परेशान नहीं करता है क्योंकि ये सच है। मुझे बहुत सारा काम इसलिए मिला क्योंकि मैं आमिर खान का बेटा हूं।"

स्टार किड्स को क्यों लेते हैं प्रोड्यूसर्स?

जुनैद ने इस बात की ओर इशारा किया कि प्रोड्यूसर के लिए फिल्म को बेचना जरूरी है और इसमें फेस वैल्यू काम आती है। वो कहते हैं, "प्रोड्यूसर्स को अपनी फिल्म बेचनी पड़ती है। इसीलिए वो किसी ऐसे को लेते हैं जिसे वो बेच सकें।" जुनैद ने ये भी बताया कि कई फिल्ममेकर्स रोल के लिए बेस्ट एक्टर ढूंढने की बजाय किसी ऐसे को लेते हैं, जिसे बेचना आसान हो, जिसकी मार्केटिंग की जा सके। उनके मुताबिक कास्टिंग का फैसला अक्सर एक्टिंग टैलेंट देखकर नहीं, बल्कि आर्थिक पहलू को देखकर लिया जाता है।

जुनैज ने बताई दिल की बात

जुनैद ने इस दौरान ये जरूर साफ किया कि वो नेपोटिज्म की बहस को आउटसाइडर वर्सेज इनसाइडर के तौर पर नहीं देखते हैं। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि एक्टर को सिर्फ इसलिए काम नहीं देना चाहिए कि उसे प्रमोट करना आसान होगा, बल्कि इसलिए चुनना चाहिए कि वो कैरेक्टर और कहानी में फिट बैठेगा।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com